सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित -पेज: 7

बिपाशा पर मृणाल ठाकुर की टिप्पणी को लेकर उर्फी ने दी प्रतिक्रिया -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 131 | बुधवार 20 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

इंडिया ब्लॉक ने उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में सुदर्शन रेड्डी को क्यों उतारा? सामने आई यह बड़ी वजह

वरिष्ठ नेताओं का तर्क है कि चुनाव लड़ने का फैसला कभी संदेह में नहीं था। एक सूत्र ने कहा कि न लड़ने का मतलब एनडीए को थाली में परोसी गई जीत सौंपना होता।

नई दिल्ली (एजेंसी): उपराष्ट्रपति चुनाव में एक ऐसा मुकाबला होने वाला है जो संख्यात्मक रूप से सत्तारूढ़ एनडीए की ओर झुका हुआ है, लेकिन विपक्षी दल इसे वैचारिक लड़ाई बता रहा है। संसद में स्पष्ट बहुमत के बावजूद इंडिया गुट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। उनके लिए, यह मुकाबला अंकगणित से कम और प्रतीकात्मकता से ज्यादा जुड़ा है। इंडिया ब्लॉक द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में घोषणा की गई कि उपराष्ट्रपति चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है और इस बात पर जोर दिया गया कि रेड्डी उन मूल्यों के प्रतीक हैं जिन्होंने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को आकार दिया। वरिष्ठ नेताओं का तर्क है कि चुनाव लड़ने का फैसला कभी संदेह में नहीं था। एक सूत्र ने कहा कि न लड़ने का मतलब एनडीए को थाली में परोसी गई जीत सौंपना होता। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष एक संदेश देना चाहता था: राजनीतिक रणभूमि में, आत्मसमर्पण करने के बजाय प्रतिरोध करना जरूरी है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह एक वैचारिक लड़ाई है। देश को पिछले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे का कारण नहीं पता... एक तरफ, हम संवैधानिक अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं... यह देश बड़े वैचारिक मुद्दों का सामना कर रहा है। हम संविधान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कहा कि पूरा दल भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ आरएसएस पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को खड़ा करने के लिए एकजुट हुआ है। उन्होंने कहा कि यह एक वैचारिक लड़ाई है। इसलिए विपक्षी दल आरएसएस पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार के खिलाफ एक उम्मीदवार चुनने के लिए एकजुट हुए हैं। विपक्ष ने जो उम्मीदवार चुना है, वह संविधान का सम्मान करता है। सिर्फ.इसलिए कि आपके (भाजपा) पास तमिलनाडु से एक उम्मीदवार है, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको तमिलनाडु, तमिल भाषा या राज्य के मूल्यों की परवाह है।" अन्य सांसदों ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए, कांग्रेस के सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि रेड्डी ने संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी थी। हुसैन ने कहा, "वह गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। आज देश में हम एक वैचारिक लड़ाई का सामना कर रहे हैं।" समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, "यह संविधान बचाने के लिए एक महान चुनाव होगा। इस चुनाव में भारत गठबंधन की जीत होगी।" कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा, "सभी विपक्षी सदस्य बी. सुदर्शन रेड्डी की उम्मीदवारी पर सहमत हुए। उनका ट्रैक रिकॉर्ड बहुत अच्छा है और वे भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति पद के लिए उपयुक्त हैं।" इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद बशीर ने कहा कि सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर उनके नाम का समर्थन किया। हमें इस पर गर्व है। हमें ऐसा उम्मीदवार पाकर बहुत खुशी है। डीएमके सांसद टी. शिवा ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने हर पहलू का विश्लेषण करने के बाद यह फैसला किया है। इस घोषणा को वाईएसआर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का भी समर्थन प्राप्त हुआ।

बिहार में राहुल की यात्रा के बीच एनडीए ने तैयार किया तगड़ा प्लान, हर विधानसभा में होगा ये काम

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सहयोगी दल 23 अगस्त से सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ सम्मेलन आयोजित करेंगे। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार, इन विधानसभा सम्मेलनों के लिए एनडीए नेताओं की 14 संयुक्त टीमें बनाई गई हैं। बिहार में एनडीए में भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) शामिल हैं। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। हालाँकि, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने अभी तक तारीख की घोषणा नहीं की है। इस बीच, इंडिया ब्लॉक बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' आयोजित कर रही है, जो मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से भाजपा और ईसीआई द्वारा कथित मतदाता दमन और चुनावी हेराफेरी को उजागर करने के लिए 16 दिनों का अभियान है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को गयाजी से अपनी यात्रा के तीसरे दिन की शुरूआत की। चुनाव आयोग और भाजपा पर अपने "वोट चोरी" के आरोपों को दोहराते हुए, लोकसभा नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर "साझेदारी" कर रहे हैं।

अगली बार राहुल गांधी को पीएम बनाएंगे, वोटर अधिकार यात्रा में तेजस्वी यादव का ऐलान

बिहार (एजेंसी): राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्ष मिलकर काम करेगा। उनकी टिप्पणी से इस बात के स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि 2029 के आम चुनावों में राहुल गांधी को इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया जा सकता है। राजद नेता ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव होने पर हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में काम करेंगे। बिहार के नवादा में 'मतदाता अधिकार' रैली का नेतृत्व करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी में यादव ने यह टिप्पणी की। रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी को राज्य चलाने का मौका मिले। यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार 'खटारा' हो गई है और इसे तुरंत बदलने की जरूरत है। युवाओं को अब मौका मिलना चाहिए... हमारे पास बिहार के लिए एक विजन है। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और जर्जर सरकार को सत्ता से हटाएँगे और अगले लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएँगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास बिहार के लिए दृष्टिकोण हैं। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और खटारा सरकार को सत्ता से हटाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें। भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के कारण यह यात्रा चल रही है। इसलिए, राहुल गांधी ने वहाँ पहुँचते ही उन्हें (तेजस्वी यादव को) बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया। क्या सिर्फ.बातें करने से कोई फर्क.पड़ता है?...मुझे लगता है कि यह उनकी बातें करने की कला है, आप इसे व्यंग्य भी कह सकते हैं...ये दोनों (टिप्पणियाँ) वास्तविकता से कोसों दूर हैं। यादव ने दोहराया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है।

इंडियन एस्ट्रोनॉट के बारे में क्या सोचते हैं विदेशी? पीएम मोदी के साथ बातचीत में शुभांशु शुक्ला ने खुद बताया

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पूरा कर भारत लौटने के एक दिन बाद हुई। इसका एक वीडियो पीएम मोदी ने शेयर किया, जिसमें शुभांशु ने उन्हें अपने स्पेस मिशन के एक्सपीरियंस के साथ-साथ यह भी बताया कि विदेश के एस्ट्रोनॉट भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में क्या सोचते हैं। पीएम मोदी की ओर से एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में शुभांशु ने स्पेस स्टेशन में बिताए अपने दिनों और अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब ऊपर जाते हैं तो वहां का वातावरण अलग है, ग्रेविटी नहीं है। जब स्पेस में पहुंच जाते हैं तो उसी कैप्सूल में घूम फिर सकते हैं। 'दिल की धड़कने हो जाती हैं धीमी' शुभांशु शुक्ला ने कहा, "अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शारीरिक रूप से भी काफी बदलाव होते हैं। दिल की धड़कनें धीमी हो जाती हैं। चार-पांच दिन के बाद बॉडी उसी वातावरण को अपना लेती है और नॉर्मल हो जाते हैं। फिर जब वापस आते हैं तो फिर से वही बदलाव देखने को मिलते हैं। चाहे आप कितने भी स्वस्थ हों जमीन पर आने के बाद आप चल नहीं सकते।" उन्होंने आगे बताया, "मैं पूरी तरह से स्वस्थ था लेकिन जमीन पर पहला कदम रखा तो मैं गिर रहा था। लोगों ने मुझे पकड़ रखा था। पता होता है कि चलना है लेकिन दिमाग को ये स्वीकार करने में समय लगता है कि अब जमीन पर चलना है।" मूंग और मेथी के प्रयोग के बारे में क्या बोले शुभांशु? उन्होंने कहा, "मुझे इस बात का अचंभा था कि लोगों को इस बारे में पता ही नहीं था। स्पेस स्टेशन पर फूड बहुत बड़ी चुनौती है। जगह कम है, कार्गो महंगा है और भी कई तरह की परेशानियां हैं। स्पेस में इनको उगाना बहुत आसान है। आप छोटी सी जगह में इन्हें उगा सकते हैं, पानी डालिए और आठ से दस दिन में वो अंकुरित हो जाते हैं।" भारतीयों को लेकर क्या सोचते हैं विदेशी? शुभांशु ने कहा, "मेरा जो व्यक्तिगत अनुभव रहा है, मैं जहां भी गया और जिससे भी मिला तो मुझसे मिलकर सभी लोग बहुत खुश हुए। सबसे बड़ी बात यह थी कि सभी को पता था कि भारत स्पेस के फील्ड में क्या कर रहा है। गगनयान के बारे में कई लोग तो मुझसे आकर पूछते थे कि आपका मिशन कब जा रहा है। मेरे क्रू मेम्बर मुझसे साइन करवाकर लिखकर लेकर गए हैं कि जब भी गगनयान जाएगा

ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच चीन का वादा, भारत की इन तीन बड़ी समस्याओं को दूर करने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत दौरे पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत की तीन बड़ी परेशानियों को दूर करने का आश्वासन दिया है। सोमवार को एस. जयशंकर से मुलाकात के दौरान उन्होंने आश्वस्त किया है कि चीन रेयर अर्थ मिनरल, फर्टलाइजर्स और टनल बोरिंग मशीन का समाधान निकालने में भारत की मदद करेगा। सूत्रों के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को आश्वासन दिया कि चीन भारत की उर्वरक, दुर्लभ मृदा और सुरंग खोदने वाली मशीनों की जरूरतों से जुड़ी तीन प्रमुख चिंताओं का समाधान करेगा। किन मुद्दों पर हुई बातचीत? इससे पहले सोमवार को विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि बातचीत में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दे, तीर्थयात्रा, लोगों से लोगों के बीच संपर्क, नदी डेटा साझाकरण, सीमा व्यापार, संपर्क और द्विपक्षीय आदान-प्रदान शामिल होंगे। विदेश मंत्री ने इस साल जुलाई में अपनी चीन यात्रा के दौरान उठाई गई चिंताओं पर आगे चर्चा की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ अपने भाषण में विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया था कि पड़ोसी देशों और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत-चीन संबंधों के विविध पहलू और आयाम हैं। उन्होंने कहा, "इस संदर्भ में यह भी जरूरी है कि प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचा जाए। भारत और चीन के बीच स्थिर और रचनात्मक संबंध न केवल हमारे बल्कि पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद हैं। यह पारस्परिक सम्मान, हित और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को संभालने से ही संभव है।" एससीओ समिट के लिए चीन जा सकते हैं पीएम मोदी वांग यी का यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 31 अगस्त से सितम्बर तक तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की संभावित यात्रा से पहले हो रही है।

मुंबई में बारिश से बुरे हाल, बीएमसी ने घोषित की छुट्टी, निजी कार्यालयों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने घोषणा की है कि मुंबई शहर और उपनगरों में स्थित सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे

महाराष्ट्र (एजेंसी): मुंबई में भारी बारिश के मद्देनजर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने घोषणा की है कि मुंबई शहर और उपनगरों में स्थित सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। भारी बारिश के कारण बीएमसी ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है। भारतीय मौसम विभाग ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र (मुंबई शहर और उपनगर) के लिए भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। एक बयान में कहा गया, वर्तमान में मुंबई में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के रूप में कार्य करते हुए बीएमसी ने आवश्यक सेवाओं को छोड़कर क्षेत्र के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और बीएमसी कार्यालयों में मंगलवार को अवकाश घोषित किया है। बीएमसी ने मुंबई महानगरीय क्षेत्र के सभी निजी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों को तत्काल वर्क-फ्रॉम-होम की सुविधा दें और कार्य की प्रकृति के अनुसार अनावश्यक यात्रा से बचने के निर्देश जारी करें। इसी तरह, नवी मुंबई पुलिस कमिश्नर ने लोगों से भारी बारिश की संभावना के चलते सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने और जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। पुलिस कमिश्नर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सुप्रभात मुंबई! चूंकि मंगलवार को भारी बारिश की चेतावनी है, मुझे उम्मीद है कि आप सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहे होंगे। सिर्फ जरूरी होने पर ही बाहर जाएं, उच्च ज्वार के दौरान समुद्र तट पर जाने से बचें और याद रखें कि हम किसी भी आपात स्थिति में आपकी मदद के लिए मौजूद हैं। निजी कंपनियों से अनुरोध है कि वे ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने की सुविधा दें। अपना ध्यान रखें, सुरक्षित रहें। वहीं, महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण कुछ लोगों की मौत हो चुकी है। रविवार और सोमवार को राज्य के सभी हिस्सों में बारिश हुई और अगले दो दिनों तक मुंबई में भी इसी तीव्रता से बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने 21 अगस्त तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने मंगलवार को मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है और लोगों से अपील की है कि वे जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलें।

एनडीए सांसदों की बैठक में बोले पीएम मोदी, नेहरू ने देश को 2 बार बांटा, सिंधु जल संधि से नहीं हुआ कोई फायदा

एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सांसदों की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित कया.प्रधानमंत्री मोदी ने राधाकृष्णन को ओबीसी समाज का जमीनी और सहज नेता बताया,

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन को मंगलवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों की एक बैठक में सम्मानित किया गया. इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई केंद्रीय मंत्री समेत शीर्ष नेता मौजूद रहे. पीएम मोदी ने सी. पी. राधाकृष्णन को सभी सांसदों से रूबरू कराया. इस दौरान पीएम मोदी ने सी. पी. राधाकृष्णन की जमकर तारीफ की और उन्हें एक जमीनी नेता बताया. इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश को दो बार बांटा.

नेहरू ने देश को 2 बार बांटा

एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने एक बार देश का बंटवारा किया और दोबारा भी बंटवारा किया. दूसरे बंटवारे में उन्होंने सिंधु जल समझौते के तहत 80 फीसदी जल पाकिस्तान को दे दिया. नेहरू ने अपने सचिव के माध्यम से अपनी इस गलती को स्वीकार करते हुए कहा था कि कोई फायदा नहीं हुआ. पीएम मोदी ने कहा कि ये समझौता किसान विरोधी था. राधाकृष्णन राजनीति खेल नहीं करते और काफी सहज हैं. ये राजनीति में खेल नहीं करते हैं. पीएम मोदी की यह टिप्पणी पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जोड़ कर देखी जा रही है.

स्वतंत्रता दिवस पर भी कांग्रेस पर साधा था निशाना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने सिंधु जल संधि को लेकर नेहरू पर हमला बोला था. उन्होंने कहा था, 'देशवासियों को भली-भांति पता चला है कि सिंधु का समझौता कितना अन्यायपूर्ण है, कितना एकतरफा है. भारत से निकलती नदियों का पानी, दुश्मनों के खेत को सींच रहा है और मेरे देश के किसान, मेरे देश की धरती पानी के बिना प्यासी है. ये ऐसा समझौता था, जिसने पिछले 7 दशक से मेरे देश के किसानों का अकल्पनीय नुकसान किया है. अब हिंदुस्तान के हक का जो पानी है उस पर अधिकार सिर्फ और सिर्फ हिंदुस्तान का है, हिंदुस्तान के किसानों का है. भारत कतई सिंधु समझौते को, उस स्वरूप को दशकों तक सहा है, उस स्वरूप को आगे नहीं सहा जाएगा. किसान हित में, राष्ट्रहित में, यह समझौता हमें मंजूर नहीं है.

राधाकृष्णन बुधवार को दाखिल कर सकते हैं नामांकन

राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन बुधवार को दाखिल कर सकते हैं. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग को लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में पूर्ण बहुमत प्राप्त है, ऐसे में राधाकृष्णन की जीत तय मानी जा रही है. इस बीच, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) से संकेत मिल रहे हैं कि वह अपना उम्मीदवार उतारेगा और चुनाव लड़ेगा.

संपादकीय

दलील पर दलील

बिहार में वोट अधिकार यात्रा कर राहुल गांधी जिस वक्त वोट चोरी का आरोप मढ़ रहे थे, ठीक उसी वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दिल्ली में जवाबी कार्रवाई का ऐलान कर रहे थे। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस के मार्फत से राहुल के सवालों का जवाब देते हुए आरोपों को बेबुनियादी ठहराया। बिना हलफनामा दाखिल किए, इनकी जांच नहीं होने की बात करते हुए ज्ञानेश ने कहा, यदि राहुल सात दिन के भीतर माफी नहीं मांगते तो इन आरोपों को बेबुनियादी समझा जाएगा। गांधी ने आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाते हुए पांच सवाल किए थे। जिनमें चुनाव आयोग द्वारा बड़े पैमाने में वोटर लिस्ट में फजीर्वाड़ा करने, भाजपा के एजेंट की तरह काम करने, मतदान के वीडियो सबूत नष्ट करनेडिजिटल फॉर्म्रेट में मतदाता सूची न मुहैया कराने व विपक्ष के सवालों के जवाब की बजाए उसे धमकाने के कारण पूछे थे। इसमें बिहार में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर भी सवाल शामिल थे। आयोग का दावा है कि वह मजबूती से मतदाताओं के साथ खड़ा है। कुमार ने वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग को करोड़ों मतदाताओं व लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला बताया। आयोग का दावा है कि देश के तीन लाख नागरिकों की एपिक संख्या मिलती-जुलती है। जिसके संज्ञान में आते ही बदलाव किया गया। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार पर भाजपा प्रवक्ता की तरह बात करने का आरोप लगाते हुए संवैधानिक रूप से दायित्व निभाने की सलाह दी। बेशक अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य संवैधानिक संस्था के मुखिया की बजाए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह बात करके ज्ञानेश विपक्ष के आरोपों के सटीक जवाब देने से बचते नजर आए। जल्दबाजी में उठाए गए उनके इस कदम से नाराज विपक्ष ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। ध्यान देने वाली है कि मुख्य चुनाव आयुक्त या अन्य चुनाव आयुक्तों को अधिनियम 2023 के अनुसार उसी आधार पर हटाया जा सकता है, जिस आधार पर न्यायाधीश को हटाया जा सकता है। हालांकि विपक्ष के पास इसे पारित कराने भर की संख्या नहीं है, मगर अपनी दलील की पुष्टि के लिए वे सार्वजनिक मंच से विरोध करने में सफल होते नजर आना चाहेंगे। शीर्ष अदालत में मामला होन के चलते दोनों पक्षों को किसी तरह के आरापों-प्रत्यारोपों पर लगाम लगानी चाहिए।

चिंतन-मनन

प्राणवान प्रतिभाओं की खोज

प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए तदनुरूप योग्यता एवं कर्मनिष्ठा उत्पन्न करनी पड़ती है। साधन जुटाने पड़ते हैं। कठिनाइयों से जूझने, अड़चनों को निरस्त करने और मार्ग रोककर बैठे हुए अवरोधों को हटाने के लिए साहस, शौर्य और सूझबूझ का परिचय देना पड़ता है। जो कठिनाइयों से जूझ सकता है और प्रगति की दिशा में बढ़ चलने के साधन जुटा सकता है, उसी को प्रतिभावान कहते हैं। सामुदायिक सार्वजनिक क्षेत्र में सुव्यवस्था बनाने के लिए और भी अधिक प्रखरता चाहिए। यह विशाल क्षेत्र, आवश्यकताओं और गुत्थियों की दृष्टि से तो और भी बढ़ा-चढ़ा होता है। हीन वर्ग अपने साधनों के लिए, मार्गदर्शन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। यह परजीवी वर्ग ही मनुष्यों में बहुलता के साथ पाया जाता है। अनुकरण और आश्रय ही उसका स्वभाव होता है। ऐसे लोग निजी निर्धारण कदाचित ही कभी कर पाते हैं। दूसरा वर्ग-समझदार होते हुए भी संकीर्ण स्वार्थपरता से घिरा रहता है। योग्यता और तत्परता जैसी विशेषताएं होते हुए भी ऐसे लोग अपने को लोभ, अहंकार की पूर्ति के लिए ही नियोजित किए रहते हैं। वे कृपणता और कायरता के दबाव में वे पुण्य-परमार्थ की बात सोच ही नहीं पाते। अवसर मिलने पर अनुचित कर बैठते हैं और महत्व न मिलने पर अनर्थ कर बैठते हैं। वे जैसे-तैसे जी लेते हैं, पर श्रेय सम्मान जैसी किसी मानवोचित उपलब्धि के साथ उनका संबंध नहीं जुड़ता। उन्हें जनसंख्या का घटक भर माना जाता है। तीसरा वर्ग प्रतिभाशालियों का है। ये भौतिक क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए अनेक व्यवस्थाएं बनाते हैं। ये अनुशासन और अनुबंधों से बंधे रहते हैं। अपनी नाव अपने बलबूते खेते हैं और उसमें बिठाकर अन्यों को भी पार करते हैं। कारखानों के व्यवस्थापक और शासनाध्यक्ष प्रायः इन्हीं विशेषताओं से सम्पन्न होते हैं। बोलचाल की भाषा में उन्हें ही प्रतिभावान कहते हैं।सबसे ऊंची श्रेणी देवमानवों की है, जिन्हें महापुरुष भी कहते हैं। प्रतिभा तो उनमें भरपूर होती हैं, पर वे उसका उपयोग आत्म परिष्कार से लेकर लोकमंगल तक उच्च स्तरीय प्रयोजनों में लगाते हैं। निजी आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के बजाय अपने शक्ति भंडार को परमार्थ में लगाते हैं। किसी देश की सच्ची संपदा वे ही समझे जाते हैं। वे अपने कार्य क्षेत्र को नंदनवन जैसा सुवासित करते हैं। जहां भी बादलों की तरह बरसते हैं, वहीं मखमली हरीतिमा का फर्श बिछा देते हैं और वसंत की तरह अवतरित होते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अक्षय ऊर्जा: असीम शक्ति, स्वच्छ भविष्य

योगेश कुमार गोयल

देश के सतत विकास की धुरी है अक्षय ऊर्जा... पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है।

भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

मुद्दा : कार्यस्थल पर मयार्दा ही असली परीक्षा

प्रियंका सौरभ

शिक्षण संस्थान केवल पढ़ाई-लिखाई की जगह नहीं होते, बल्कि समाज का आईना और भविष्य का निर्माण स्थल होते हैं। यहां का वातावरण सीधे तौर पर बच्चों की सोच, शिक्षकों की प्रेरणा और पूरे संस्थान की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है।

एक स्वस्थ और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता है। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं और महिला कर्मचारियों के लिए यह सुनिश्चित करना कि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें, किसी भी संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हाल के वर्षो में कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां महिला शिक्षिकाओं ने अपने ही सहयोगियों या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार, अशोभनीय संदेश और निजी तौर पर अनुचित हरकतों की शिकायत की है। देशभर से समय-समय पर ऐसी खबरें आती रही हैं-कभी खाली पीरियड में एकांत में लंबी बातचीत, कभी व्यक्तिगत नंबर पर अनावश्यक और निजी संदेश, कभी नजर और शब्दों से अपमानजनक संकेत, तो कभी काम में मदद या पदोन्नित के बदले अनुचित मांग। ये सब केवल व्यक्तिगत आचरण की गड़बड़ी नहीं हैं, बल्कि कार्यस्थल की गरिमा और सुरक्षा को तोड़ने वाली गंभीर प्रवृत्तियां हैं। ऐसी घटनाएं केवल एक महिला के मानसिक स्वास्थ्य को चोट नहीं पहुंचातीं, बल्कि पूरे वातावरण को विषैला बना देती हैं। असुरक्षा का भाव महिला शिक्षिकाओं के आत्मविास को कमजोर करता है। महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत में यौन उत्पीड़न (कार्यस्थल पर) अधिनियम, 2013 यानी 'पॉश अधिनियम' लागू है। इसके तहत प्रत्येक संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जिसकी अध्यक्ष महिला हो और आधे से अधिक सदस्य महिलाएं हों। शिकायत दर्ज होने पर सात कार्य दिवस में प्रारंभिक सुनवाई और नब्बे दिनों में जांच पूरी करनी होती है। दोषी पाए जाने पर प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। शिकायतकर्ता के साथ किसी भी प्रकार के प्रतिशोध को रोकना भी संस्थान की जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से, अनेक स्थानों पर यह समिति केवल कागजों में ही सीमित रहती है।

समाधान केवल सजा देने में नहीं, बल्कि रोकथाम में है। इसके लिए कुछ बुनियादी कदम हर शैक्षणिक संस्थान में तुरंत लागू किए जाने चाहिए। महिला शिक्षिकाओं के लिए अलग और सुरक्षित स्टाफ रूम होना चाहिए, ताकि वे अपने कार्य से जुड़ी चचाएं और आवश्यक बातचीत आराम से कर सकें। महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए अलग, स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था हो। परिसर के प्रमुख स्थानों, गलियारों, प्रवेश-द्वारों, खेल के मैदान और कॉमन एरिया में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएं और वे हमेशा सक्रिय रहें। फुटेज को कम से कम नब्बे दिनों तक सुरक्षित रखा जाए और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही उसकी पहुंच हो।

खाली पीरियड में महिला और पुरु ष शिक्षक अपने-अपने स्टाफ रूम में ही रहें। बिना किसी औपचारिक कार्य के, एकांत में लंबे समय तक बैठना या बातचीत करना प्रतिबंधित हो। शिक्षकों और सहकर्मिंयों के बीच निजी संदेश केवल कार्य संबंधी हों और वह भी कार्य समय में ही भेजे जाएं। संस्थान में ऐसा गोपनीय तंत्र हो जहां पीड़ित बिना डर और शर्म के शिकायत दर्ज करा सके। यह ऑनलाइन पोर्टल, सीलबंद शिकायत बॉक्स या हेल्पलाइन नंबर के रूप में हो सकता है। शिकायत आने पर तुरंत जांच हो, आरोपी और पीड़ित को अलग किया जाए और दोषी पाए जाने पर बिना देरी कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता की गोपनीयता की रक्षा संस्थान की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। महिला सुरक्षा केवल कानूनी या प्रशासनिक मामला नहीं है, यह सामाजिक सोच का भी मुद्दा है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि कार्यस्थल पर सम्मान, मयार्दा और सीमाएं क्या होती हैं। स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता और आत्मसम्मान पर आधारित विशेष कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए।

समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश की गरिमा का प्रश्न है। सुरक्षित कैंपस और सम्मानजनक

कार्यस्थल कोई आदशवादी कल्पना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की विसनीयता का आधार है। यह केवल महिला का मुद्दा नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का मुद्दा है जो अपने कार्यस्थल को गरिमा और मयार्दा से भरपूर देखना चाहता है।

अगर हम अब भी चुप रहे तो अगली घटना का इंतजार करना पड़ेगा और तब तक किसी का आत्मविश्वास, किसी का करियर और किसी की जिंदगी बर्बाद हो चुकी होगी। अब समय है चुप्पी तोड़ने का-नियम बनाने का, उन्हें कड़ाई से लागू करने का और हर शैक्षणिक संस्थान को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाने का। यह हर शिक्षक, हर कर्मचारी, हर छात्र और पूरे समाज की जिम्मेदारी है। तभी हम आने वाली पीढ़ी को न केवल किताबों का ज्ञान, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सीख-सम्मान और सुरक्षा-भी दे पाएंगे।

आत्मउन्नयन एवं जीवन-जागृति का पर्व है पर्युषण

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का अपना विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मा की गहराइयों तक जाने का, आत्मनिरीक्षण करने का और आत्मशुद्धि का अनूठा पर्व है। जैन संस्कृति ने सदियों से इस पर्व को आत्मकल्याण, साधना और तपस्या का महान माध्यम बनाया है। 'पर्युषण' का शाब्दिक अर्थ है-अपने भीतर ठहरना, आत्मा में रमना, आत्मा के समीप होना। इस वर्ष अन्तःकरण की शुद्धि का यह महापर्व 20 से 27 अगस्त, 2025 को मनाया जा रहा है, इन आठ दिनों में हर जैन अनुयायी अपने तन और मन को साधनामय बना लेता है, मन को इतना मांज लेता है कि अतीत की त्रुटियां को दूर करते हुए भविष्य में कोई भी गलत कदम न उठे। इस पर्व में एक ऐसा मौसम ही नहीं, माहौल भी निर्मित होता है, जो हमारे जीवन की शुद्धि कर देता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन उत्थान का पर्व है, यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना करते हुए जीवन को शांत, स्वस्थ एवं अहिंसामय बनाया जाता है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है।

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंर्तआत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है। अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन आठ दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंर्तआत्मा में लीन हो जाए जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा।

पर्युषण का एक अर्थ है-कर्मों का नाश करना। कर्मरूपी शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह पर्युषण-पर्व आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। यह आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है-आत्मा। आत्मा के

निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में पर्युषण महापर्व अहं भूमिका निभाता रहता है। अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है। पर्युषण पर्व जैन एकता का प्रतीक पर्व है। दिगंबर परंपरा में इसकी 'दशलक्षण पर्व' के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है। दूसरी तरफ श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्र व शुक्ला पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है। जिसे संवत्सरी के रूप में पूर्ण त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्ष भर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धमार्नुष्ठान करते नजर आते हैं।

पर्युषण पर्व मनाने के लिए भिन्न-भिन्न मान्यताएं उपलब्ध होती हैं। आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। दिगम्बर परंपरा में यह पर्व 10 लक्षणों के रूप में मनाया जाता है। यह 10 लक्षण पर्युषण पर्व के समाप्त होने के साथ ही शुरू होते हैं। यह पर्व जैन अनुयायियों के लिए संयम, साधना और आत्मसंयम का विशेष अवसर लेकर आता है। इन दिनों में जैन समाज उपवास, प्रतिक्रमण, पाठ, स्वाध्याय, सामायिक, ध्यान और पूजा के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। घर-घर में धार्मिक वातावरण बनता है और हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा को सुधारने का प्रयत्न करता है। पर्युषण पर्व का मुख्य उद्देश्य है आत्मा को कर्मों की परतों से मुक्त करना। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, इन दिनों में हर जैन श्रावक-श्राविका अपने जीवन की गति को धीमा कर आत्मचिंतन करता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सुख-सुविधाएँ क्षणिक हैं, वास्तविक सुख भीतर है और आत्मा की शुद्धि में ही है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकता है तो उसे अपने दोष, अपने अपराध और अपनी कमजोरियों का बोध होता है। इसी बोध से क्षमा और आत्मपरिवर्तन की भावना उत्पन्न होती है।

पर्युषण पर्व के अंतिम दिन 'क्षमावाणी' का आयोजन होता है, जिसे 'क्षमा दिवस' भी कहा जाता है। इस दिन हर व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों और यहां तक कि शत्रुओं से भी यह कहता है-'मिच्छामि दुक्कडम्' अर्थात् यदि मुझसे किसी को भी मन, वचन या शरीर से कोई पीड़ा पहुँची है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। इस प्रकार क्षमा माँगने और क्षमा करने की परंपरा से समाज में सद्भाव, प्रेम और मैत्री का वातावरण बनता है। पर्युषण पर्व आत्मसंयम और आत्मिक साधना का गहन अभ्यास है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास और सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्मा का उत्थान और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। यही कारण है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करुणा, अहिंसा और सहअस्तित्व को अपनाने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है।

पर्युषण पर्व एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है 'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन'-'श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-'मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले- यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उकसाया है। इस तथ्य को सामने रखकर जैन समाज ही नहीं आम-जन भी अहिंसा की शक्ति के प्रति आस्थावान बने और गहरी आस्था के साथ उसका प्रयोग भी करे। परलोक सुधारने की भूलभुलैया में प्रवेश करने से पहले इस जीवन की शुद्धि पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। धर्म की दिशा में प्रस्थान करने के लिए यही रास्ता निरापद है और यही इस पर्व की सार्थकता का आधार है, प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है। वर्तमान की आंख से अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या होना है इसका विवेकी निर्णय लेकर एक नये सफर की शुरूआत की जाती है। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है।

जिलाधिकारी ने कि कर करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा, अभियान चलाकर लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कराये जाने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा की गई । बैठक में जिलाधिकारी ने वाणिज्य कर, वाहन कर, आबकारी विभाग, सिंचाई, विद्युत, मण्डी, परिवहन कर सहित अन्य विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा कर कम राजस्व वसूली वाले विभागों को वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने स्टांप एवं निबंधन विभाग पर कम वसूली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा कोई प्रयास नहीं किया जा रहे हैं उन्होंने कहा कि आप द्वारा रजिस्ट्री का 100% सत्यापन करें और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें आपको जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसको शत प्रतिशत पूरा करें। उन्होंने विद्युत विभाग की भी कम वसूली होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता विद्युत का स्पष्टीकरण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने खनिज विभाग को सख्त निर्देश दिए की महा अगस्त में शत प्रतिशत वसूली हो और जो लक्ष्य है उसे पूरा कर लिया जाए। इसी प्रकार परिवहन विभाग लक्ष्य बहुत पीछे होने पर लक्ष्य पूरा करने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा नगर निकाय उझारी एवं नौगावां सादात के कम वसूली पर स्पष्टीकरण के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रवर्तन की कार्यवाही सतत चलती रहनी चाहिए यह सुनिश्चित करें । जिलधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विभाग को जो लक्ष्य आवंटित किया गया है उसके सापेक्ष अभियान चला कर वसूली कराई जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए । अपेक्षित लक्ष्य सापेक्ष किसी भी स्थिति में वसूली कम ना हो ।

तहसील न्यायालय में लंबित वादों का निस्तारण प्राथमिकता से कराएं उपजिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों और तहसीलदारों से धारा 67 ,34 और 116 के न्यायालय में चल रहे वादों की समीक्षा भी किया । वादों के निस्तारण प्राथमिकता से लक्ष्य लेकर और समय निकाल कर कोर्ट केस सुनने और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये । जिलाधिकारी ने कहा कि धारा 67 ,24 ,34 ,116 , के और पुराने केस किसी भी तहसील में लंबित न रहे अभियान चलाकर निस्तारण करें। इस अवसर पर अपर जिलधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी(न्यायिक), उपजिलाधिकारी हसनपुर, अमरोहा, नौगांवा सादात सहित अन्य कर करेत्तर से सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्सा न जाए दिलाएं सजा-जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में अभियोजन कार्य एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कोर्टवार कितने को सजा दी गयी, कितने को दोषमुक्त किया गया, कितने साक्षी आये, कितने अपील की गई,कितने को रिहा किया गया पोक्सो सहित अन्य कार्यो की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्सा न जाए कड़ी से कड़ी सजा दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि महिला और बच्चों से सम्बन्धित अपराधों को गंभीरता से लिया जाय ज्यादा से ज्यादा दोष सिद्ध कर सजा दिलाई जाए। जिलाधिकारी ने सभी शासकीय अभियोजन अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं को निर्देश दिये कि गवाहों की शत प्रतिशत परिक्षित कराई जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि महिला सम्बन्धी अपराधों पर शासन की मंशा के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जाए कोई लापरवाही न हो यह विशेष ध्यान रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि दोस्त मुक्त ज्यादा होने पर और दोषी कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि दोष मुक्त वाद और दंडित वादों को 50% कम करे। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (वि/रा), उप जिलाधिकारी अमरोहा, हसनपुर धनौरा, नौगांवा, जे0डी0 अभियोजन, व शासकीय अधिवक्ताओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

चौधरी टी.आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में कराया गया मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- चौधरी टी.आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में एक मेहंदी कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की मेहंदी के डिजाइन को दशार्या। स्कूल में पूरे दिन खुशी का माहौल रहा। बच्चों के इस मेहंदी प्रोग्राम में स्कूल के स्टाफ और टीचरों का भी बहुत योगदान रहा। प्रिंसिपल नरेंद्र पाठक ने बताया की समय-समय पर कुछ ना कुछ एक्टिविटी होती रहनी चाहिए। जिससे कि बच्चों में खुशी का माहौल हमेशा रहेगा और भविष्य में बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इस दौरान स्कूल मैनेजर इंद्रेश देवी व प्रिंसिपल नरेंद्र पाठक ने बच्चों को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर तमाम छात्र-छात्राएं व स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा को श्रीमदभगवद्गीता भेंट कर किया गया सम्मानित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को राष्ट्र सेवी संगठन और भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता कोतवाली हसनपुर पहुंचे। कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक को श्रीमद्भगवदगीता भेंट की।इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक व भाजपा विधान सभा संयोजक हसनपुर कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि प्रभारी निरीक्षक हसनपुर दिनेश कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व के चलते क्षेत्र में होने वाली चोरी लूट जैसी अपराधिक घटनाओं में कमी आई है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा का व्यवहार अपराधियों के प्रति कठोर और जनता के प्रति नर्म अर्थात मित्रवत रहता है। उन्होंने अपनी व्यवहार कुशलता से लोगों का दिल जीतने का काम किया है। हम सब जीवन में उनकी पदोन्नति के साथ उज्वल भविष्य की कामना करते हैं। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, महिपाल सिंह, जयप्रकाश शर्मा, चीनी मिल डायरेक्टर देवकी नंदन पाल , धर्मपाल सिंह, ब्लाक अध्यक्ष ओमवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

जनपद में 30 सितम्बर 2025 तक चलाया जा रहा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा ने जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा, नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार जनपद में दिनांक 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा द्वारा उक्त अभियान का उद्देश्य बताया गया कि पक्षकार न्यायालय में लम्बित प्रकरणों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से करा सकते हैं। इस अभियान के अन्तर्गत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावें, घरेलू हिंसा, चैक वांउस के वाद, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक वाद, ऋण वसूली के वाद, संपत्ति के बटवारे से संबंधित वाद, बेदखली से संबंधित वाद, भूमि अधिग्रहण के वाद, दिवानी वाद, उपभोक्ता से संबंधित वाद समझौते के आधार पर निस्तारित कराये जा सकते हैं। सचिव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि उक्त मध्यस्थता अभियान के अन्तर्गत अब तक कुल 52 वादों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से कराया जा चुका है। इसके आलावा इस मध्यस्थता अभियान में पक्षकार वीडियों कॉफ्रेंस के जरिए भी उपस्थित हो सकते हैं।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से गिरी महिला, गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में ट्रेन से गिरकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसको आनन-फानन में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया और उसकी हालत गंभीर होते देख उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। मंगलवार को गजरौला नगर कोतवाली में रेलवे ट्रैक पर एक महिला जुलेखा पत्नी साहेब हुसैन निवासी मुरादाबाद अचानक ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन-फानन में जीआरपी पुलिस द्वारा घायल महिला को 108 एंबुलेंस की सहायता से नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां पर घायल महिला को डॉक्टर ने पहले तो प्राथमिक उपचार दिया बाद में जब उसकी हालत गंभीर हुई तो उन्होंने उसको हायर सेंटर रेफर कर दिया।

क्षेत्र में हुई युवक की मौत को लेकर परिजनों व ग्रामीणों ने किया थाने में हंगामा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की रात हुई सौरभ कुमार की मौत के मामले में उसके परिवार वालों व ग्रामीणों ने थाने में जाकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान थाने में सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे जिन्होंने गजरौला पुलिस से युवक की मौत का कारण जानने की कोशिश की। मृतक सौरभ के परिजनों ने पहले से ही उसकी हत्या होने की आशंका जताई थी जिसको पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद गजरौला पुलिस ने साफ कर दिया। इस मामले में एस एस आई बृजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार कर रहे थे लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पहले ही मृतक सौरभ के परिजन और ग्रामीण यहां पर आ पहुंचे जिन्होंने युवक की मौत का कारण जानने की कोशिश की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद हमने उनको बताया कि युवक की मौत गला दबाने से हुई है उसके एक कंधे पर भी गंभीर चोट के निशान हैं ,इसके अलावा शरीर पर भी कई जगह चोटों के निशान पाए गए हैं। फिलहाल पुलिस ने मृतक सौरभ के परिजनों की तहरीर के आधार पर एक नाम दर्ज व दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है

नगर में अखंड भारत दिवस का किया गया कार्यक्रम

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड की बैठक शिवाला मंदिर हसनपुर के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य मुख्य वक्ता बजरंग दल जिला सहसंयोजक, वीरेंद्र शर्मा रहे। प्रखंड अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने बताया कि बजरंग दल प्रत्येक वर्ष 12 से 20 अगस्त तक अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया जाता है। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत नगर में अखंड भारत दिवस का कार्यक्रम किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बजरंग दल जिला सहसंयोजक वीरेंद्र शर्मा, विश्व हिंदू परिषद हसनपुर नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, बजरंग दल संयोजक राहुल हिंदुस्तानी, प्रखंड मंत्री अमित शर्मा, वरुण अग्रवाल, काव्य चंद्र, अनुपम त्यागी, नन्हे सिंह सैनी एडवोकेट, प्रखर शर्मा, अनिल शर्मा, तेजपाल खड़कवंशी, सोनू वर्मा रवि कुमार, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने की मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में विभागीय रैंक व लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा की गई । जिलाधिकारी ने सभी विभागों से एक-एक करके पिछले माह में रैंकिंग और लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान प्रगति की जानकारी ली । स्थापना, औद्योगिक, विकास, आबकारी, मंडी, विद्युत, सिंचाई सहित अन्य विभागीय अधिकारियों जिनकी बी, सी व डी, खराब रैंकिग प्राप्त हुई है नाराजगी व्यक्त की और सुधार की हिदायद दी। जिलाधिकरी ने असन्तोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंकिंग नही गिरनी चाहिए सघन मानीटरिंग किया जाये । जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग अपने लक्ष्य को चेक कर लें कोई समस्या है तो विभाग स्तर पर बात करें । कोई भी हो रैंकिंग सुधरनी चाहिए फीडिंग की कोई दिक्कत है तो अपडेट कर उसको ठीक कर लें एक प्लांनिंग के तहत कार्य करें । जिलाधिकारी ने कहा कि यदि लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि नहीं प्राप्त हुई और रैंक बिगड़ती है तो कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उप जिलाधिकारी, अपर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी शिक्षण संस्थान छात्रवृत्ति के लिए 31 अगस्त तक नियमानुसार ऑनलाईन सत्यापन कर अग्रसारित करें

शासन द्वारा 02 अक्टूबर 2025 को अधिक से अधिक छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति की धनराशि की जा सके प्रेषित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी ने कहा कि जिले के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं जिनमें कक्षा 09-10 व कक्षा 11-12 में समस्त वर्गों के छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं। उन्हें अवगत कराया जाता है कि शासन द्वारा संशोधित समय-सारणी के अनुसार छात्रवृत्ति वितरण के लिए शैक्षिक सत्र 2025-26 में 02 अक्टूबर 2025 तक तिथि निर्धारित की गयी है। जनपद के समस्त पूर्वदशम (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत (11-12) के शिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया जाता है कि (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) योजनान्तर्गत छात्रों से अधिकाधिक आवेदन कराते हुए पात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन पत्रों को 31 अगस्त 2025 तक नियमानुसार ऑनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित / निरस्त करना सुनिश्चित करें, ताकि शासन द्वारा 02 अक्टूबर 2025 को अधिक से अधिक छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति की धनराशि प्रेषित की जा सके। साथ ही जनपद की समस्त पूर्वदशम (कक्षा 09-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) शिक्षण संस्था को निर्देशित किया जाता है कि ऐसी शिक्षण संस्थाएं जिनके द्वारा अभी तक अपनी प्रोफाइल इत्यादि लॉक नहीं की गई है वे समस्त शिक्षण संस्थाएं अपनी प्रोफाइल एवं सीट 02 दिवस के भीतर लॉक करें। तदोपरान्त जिला विद्यालय निरीक्षक की लॉगिन से नियमानुसार प्रोफाइल वैरीफाई करवायें।

प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत ही संबंधित छात्रों के आवेदन पत्र संबंधित शिक्षण संस्थान से अग्रसारित हो सकेंगे। प्रोफाइल वेरीफाई संबंधित रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक की लॉगिन पर राज्य एन०आई०सी० द्वारा प्रदर्शित करायी जा चुकी है समस्त शिक्षण संस्थान अपनी प्रोफाइल एवं सीट 02 दिवस के भीतर जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से वेरीफाई करामा सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान यूनियन के साथ वार्ता एवं किसान दिवस का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में किसान यूनियन के साथ वार्ता एवं किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान यूनियन टिकैत ग्रुप के जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह द्वारा जनपद में खाद की पर्याप्त उपलब्धता पर जिलाधिकारी की सराहना की तथा ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा प्राइवेट कर्मी रखे जाने की समस्या को रखा जिसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अंश निर्धारण में आ रही समस्या को भी रखा गया जिसके संबंध में संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम वार कितने गाटा के अंश निर्धारित नहीं हैं उनकी सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अंश निर्धारण में जिस लेखपाल या संबंधित अधिकारी द्वारा त्रुटि की गयी है उसपर कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व चौपाल भी लगायी जाएं। नहर से संबंधित बिन्दु पर भी किसानों द्वारा चर्चा की गयी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गृह ग्राम पंचायत का बीएलओ न बने इसको लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जैविक कृषि को बढ़ावा दिये जाने के संबंध में किसानों को जागरूक करने की किसान यूनियन के प्रतिनिधियों से अपील की तथा किसान गायों को घर पर ही रखें उसके लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विद्युत का फिक्स बिल आना एवं मीटर खराब के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। किसानों द्वारा महावा नदी के जीर्णोद्धार के रखे गये बिन्दु पर जिलाधिकारी ने वर्षा के बाद कार्य पुनः प्रारम्भ कराने के विषय में जानकारी दी। वारिसान प्रमाणपत्र को लेकर भी दिशा निर्देशित किया। किसानों द्वारा रखे गये बिन्दु यारा फर्टिलाइजर का एक सेंटर जनपद में खुले उसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। किसानों द्वारा प्राप्त समस्याओं के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा कृषि उपनिदेशक को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक संबंधित विभाग को यह शिकायत भेजते हुए एक सप्ताह में किसानों की समस्याओं का निस्तारण कराते हुए आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके उपरांत भारतीय चरित्र निर्माण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष रामकृष्ण गोस्वामी ने संविधान के अन्तर्गत अधिकार तथा कर्तव्यों के विषय में बताया उन्होंने कहा कि सभी को अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए तथा जब तक कर्तव्यों का पालन नहीं किया जाएगा तब तक कल्याण सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवतगीता कर्म करने की स्वतंत्रता देती है। स्वामी कृष्णानंद झा जी द्वारा भी भगवतगीता पर चर्चा की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,उप जिलाधिकारी गुन्नौर वंदना मिश्रा, उप निदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी, एआर कॉपरेटिव वीरेंद्र प्रकाश उपाध्याय, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध मिश्रा एवं अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा किसान बंधु फूल सिंह,बुद्ध सेन, संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला युवक का शव, फैली सनसनी

जुनवाई/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका हुआ युवक का शव मिला। जिससे गांव में सनसनी फैल गई। तहसील गुन्नौर के थाना जुनावई क्षेत्र में मंगलवार सुबह को थाना जुनावई पुलिस को सूचना मिली कि प्रमोद पुत्र गीताराम शर्मा (23) निवासी ग्राम बैरपुर महाराजी थाना जुनावई जनपद संभल का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई शव को नीचे उतारा गया। उसके बाद परिजनों से पुलिस द्वारा इस मामले में पूछतांछ की गई। तो परिजनों के बताने पर चौंका देने वाला मामला सामने आया बताया गया कि मृतक पर भूत प्रेत का साया था। इसी वजह से प्रमोद ने फांसी लगा कर अपनी जान दे दी तथा परिजनों ने किसी भी प्रकार की कोई कानूनी कार्यवाही करने से इनकार कर दिया और शव का पोस्टमार्टम कराने को भी मना किया। जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भर शब को परिजनों को सौंप दिय।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

नरौली/संभल(सब का सपना):- भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद संभल में सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिलाधिकारी संभल द्वारा वेंडर्स की समीक्षा के बाद नगर पंचायत नरौली में जेड ट्रैक एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में कंपनी के डायरेक्टर मोहम्मद हिदायतुल्लाह ने स्थानीय लोगों को योजना के लाभ, प्रक्रिया और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योजना को लेकर लोगों के मन में फैली भ्रांतियों को भी दूर किया, जिससे अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित हुए। इसी के साथ, विकासखंड पंवासा की ग्राम पंचायत शेर खान सराय के पंचायत भवन में जेड ट्रैक एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत खुशहाली महिला स्वयं सहायता समूह के साथ एक महत्वपूर्ण अनुबंध किया। इस अनुबंध के तहत समूह को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार का जिम्मा सौंपा गया। अनुबंध के दौरान समूह की अध्यक्ष वसीमा खानम, कोषाध्यक्ष इस्मत, सचिव ईरम और सदस्य शाजिया को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के बाद इन्हें 'सौर सखी' के रूप में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सरताज हुसैन अंसारी भी उपस्थित रहे। जेड ट्रैक एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की यह पहल पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाने और आमजन को सौर ऊर्जा के लाभों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस तरह के प्रयासों से न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी सशक्तिकरण का अवसर प्राप्त होगा।

पी.एम.श्री कंपोजिट विद्यालय आटा में लगाया गया मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पी.एम.श्री कंपोजिट विद्यालय आटा में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की प्रेरणा से सम्राट हॉस्पिटल चन्दौसी के सुविख्यात समाजसेवी युवा डॉक्टर शेखर वार्ष्णेय एमबीबीएस, एमएस, एफ आईएजीईएस लेपरोस्कोपिक सर्जन एवं आंखों के सुप्रसिद्ध, युवा डॉक्टर रोहित वार्ष्णेय ऑप्थेल्मोलॉजिस्ट द्वारा विद्यालय में अध्यनरत सभी बच्चों के लिए मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया । बच्चों की विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियों का परीक्षण कर मौके पर ही बच्चों को , जो मलेरिया ,टाइफाइड, बुखार ,डेंगू ,जुकाम ,खांसी, आंखों में खुजली आदि बीमारियों से पीड़ित थे , उनको डॉक्टर्स की टीम द्वारा दवाइयों के पैकेट, ट्यूब मल्लम, सीरप , आई ड्रॉप आदि दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं । उनके द्वारा आज विद्यालय में अध्यनरत बच्चों में से 455 बच्चों का मेडिकल परीक्षण किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका चयनिका द्वारा जिलाधिकारी एवं डॉ शेखर वार्ष्णेय का आभार प्रकट किया। कैंप में समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

निराश्रित गोवंशों के संरक्षण एवं भरण-पोषण हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में की गई समीक्षा बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- निराश्रित गोवंशों के संरक्षण एवं भरण-पोषण हेतु जनपद स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समीक्षा समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी, हापुड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में जनपद हापुड़ के समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी, न०पा०परि०, नाबार्ड प्रबन्धक, समस्त उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी / पशु चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा डा० ओ०पी० मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, हापुड़ एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी, हापुड़ द्वारा जनपद में संचालित समस्त 36 गो आश्रय स्थलों की समीक्षा की गयी तथा पायी गयी कमियों के विषय में निर्देशित किया गया कि गो आश्रय स्थलों पर केयर टेकर 24 घण्टे उपलब्ध रहे। चारा-पानी की पर्याप्त व्यवस्था रहे और मृत गोवंशों का शव निस्तारण समयबद्ध वैज्ञानिक विधि से किया जाये। सभी अभिलेख पूर्ण रखे जायें तथा बारिश के कारण हो रहे कीचड़ की समस्या के समाधान हेतु मिट्टी भराव कराकर खड़ण्जा लगवाया जाये। गढ़मुक्तेश्वर में बाढ की समस्या के दृष्टिगत गो आश्रय स्थलों में जल-भराव की स्थिति के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। सम्बन्धित पशु चिकित्साधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि गो आश्रय स्थलों में बाढ़ की समस्या नहीं है। समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद की प्रत्येक तहसील में चारागाह की भूमि का चिन्हांकन करते हुए चारा बोया जाये। समस्त उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी / पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि समस्त गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों में टीकाकरण का कार्य शत-प्रतिशत किया जाये। डा० ओ०पी० मिश्रा, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, हापुड़ द्वारा जनपद में बन रहे नवीन वृहद गौ संरक्षण केन्द्र, शेखपुर खिचरा प्रथम, हिण्डालपुर, हिम्मतपुर, पारपा के निर्माण की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया गया कि शेखपुर खिचरा प्रथम के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। केन्द्र पर विद्युत कनेक्शन एवं सोलर प्लान्ट का कार्य प्रगति पर है, शीघ्र ही संचालन प्रारम्भ कर दिया जावेगा। निमार्णाधीन वृहद गो संरक्षण केन्द्र, पारपा, हिण्डालपुर, हिम्मतपुर में निर्माण का कार्य 40 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।हिमांशु गौतम, मुख्य विकास अधिकारी, हापुड़ द्वारा समस्त अधिशासी अधिकारी, न०पा०परि०, जनपद हापुड़ को निर्देशित किया गया कि नवीन कान्हा गोशाला के निर्माण हेतु भूमि का चिन्हांकन किया जाये तथा नगरीय क्षेत्रों में पाले जा रहे पशुओं का पंजीकरण किया जाये एवं कोई पशुपालक गोवंशों को खुले में छोड़ता है तो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाये।

नाले की खोदाई को लेकर कार्य योजना तैयार, भूमि का होगा अधिग्रहण

बछरायूं। प्लाटिंग के लिए बंद किए गए नाले को खोले जाने की कवायद शुरू हो गई है। नगर पालिका नाले की खोदाई को लेकर कार्य योजना तैयार कर अब प्लाटिंग क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण करने की तैयारियों में जुट गई है। इस माह के आखिरी तक खोदाई का कार्य शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद लोगों को जल भराव की समस्या से निजात मिल जाएगी। हाफिजपुरा रोड पर प्रथमा बैंक के निकट से जा रहे बड़े नाले की जल निकासी को प्लाटिंग करने वाले कुछ लोगों ने बंद कर दिया था। नगर पालिका द्वारा बनाए गए कुछ नालों का पानी भी इस बड़े नाले में गिर रहा था। जिस कारण हाफिजपुर रोड पर पिछले डेढ़ साल से जल भराव की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा था। दैनिक जागरण ने इस खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। इसके बाद हरकत में आए प्रशासन ने मौके पर जाकर जांच की थी। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने प्लाटिंग करने वाले लोगों से भी वार्ता की थी। जिस पर वे अपनी प्लाटिंग की निजी भूमि पर नाले के लिए जमीन देने के लिए सहमत हो गए थे। एसडीएम ने पालिका की अधिशासी अधिकारी को नाले की खोदाई को लेकर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। अब 600 मीटर लंबे बनने वाले इस नाले को लेकर कार्य योजना तैयार कर ली गई है। उधर, प्लाटिंग करने वाले लोगों से भूमि अधिग्रहण करने की तैयारी की जा रही थी। अधिशासी अधिकारी दीपालिका ने बताया कि कार्य योजना तैयार कर ली गई है। भूमि अधिग्रहण के बाद इस महीने के आखिरी तक खोदाई का कार्य भी शुरू हो जाएगा।

ई खसरा पड़ताल कार्य का कृषि विभाग ने किया बहिष्कार

उप कृषि निदेशक के माध्यम से शासन को भेजा 10 सूत्रीय ज्ञापन

शामली (सब का सपना):- मगलवार को अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उत्तर प्रदेश जनपद शाखा शामली के सदस्यो द्वारा कार्यालय उप कृषि निदेशक, कृषि भवन पर बैठक का आयोजन किया गया। सदन मे कृषि प्राविधिक सहायको की गम्भीर समस्याओ पर सभी सदस्यो द्वारा अपने अपने मत रखे। कृषि प्राविधिक सहायक कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओ मृदा परीक्षण, किसान प्रशिक्षण, जैविक खेती, परम्परागत व प्राकृतिक खेती, सतत कृषि प्रणाली, क्षेत्रीय प्रदर्शन, विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसान जागरूक कार्यक्रम आयोजन, किसान पाठशाला, कृषि यंत्रीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन, पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, विकासखण्ड, जनपद स्तरीय व मण्डल स्तर किसान मेला आदि योजनाओ का समयबद्ध संचालन करते है। बैठक मे अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार ने डिजिटल क्रॉप सर्वे अन्तर्गत ई खसरा पड़ताल का पुर्ण बहिष्कार किया व कहा कि ई खसरा पड़ताल कार्य राजस्व व आपदा विभाग का मुल कार्य है कृषि विभाग कार्य नही है। शासन द्वारा अन्यायोचित आदेश जारी कर ई खसरा पड़ताल कार्य करने के लिए कृषि विभाग पर जबरन दबाव बनाया जा रहा है। जिसका संघठन पुरे जोर से विरोध प्रदर्शन करता है। जनपद शामली मे कृषि विभाग का कोई भी प्राविधिक सहायक ई खसरा पड़ताल कार्य नही करेगा। साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहित कुमार ने शासन से मांग की कि यदि शासन स्तर से कृषि विभाग को ई खसरा पड़ताल कार्य कराया जाता है तब शासन राजस्व विभाग से भूलेख खसरा व खतौनी सम्बन्धित समस्त कार्य कृषि विभाग के कृषि प्राविधिक सहायको के कार्य व दायित्वो मे पुर्ण रुप व अधिकारिक रुप से सम्मलित करे। लेखपाल को किसी भी प्रकार से खसरा व खतौनी सम्बन्धित कार्य न करने दिया जाए। जिला मंत्री जयदेव कुमार ने कृषि संवर्ग की अन्य समस्याओ जैसे कर्मचारियो का स्थाईकरण, पहचान पत्र जारी करने, सेवा पंजिका अद्यतन, रबी 2024-25 किसान पाठशाला का मानदेय न दिया जाना, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप ए को बैठने के लिए सम्मान जनक चैम्बर दिया जाने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति किया जाना आदि जोकि विभागीय अधिकारियो को पहले भी लिखित रूप मे अवगत करायी जा चुकी है कुल दस मांग को लेकर कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ को सम्बोधित ज्ञापन उप कृषि निदेशक शामली को दिया। बैठक मे उपस्थित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद शामली के कार्यवाहक अध्यक्ष संजय चपराना ने कृषि विभाग के संवर्ग की समस्याओ पर गम्भीरतापूर्वक संज्ञान लेकर जल्द निस्तारण करने के लिए शासन से आग्रह किया। उप निदेशक कृषि व अन्य जनपदीय अधिकारीगण अनावश्यक रूप से कृषि प्राविधिक सहायको का लगातार शोषण कर रहे है। इस प्रकार की सभी मांग ज्ञापन के द्वारा पहले भी दी गई है। परन्तु विभागीय अधिकारियो द्वारा जनपद शामली के अधिकारीगण जनपद स्तरीय मांगो लेकर भी गम्भीर नही होते है। कृषि प्राविधिक सहायको का मानसिक व आर्थिक शोषण लगातार करते आ रहे है। उप सम्भाग कैराना का वेतन लगातार विलम्ब से दिया जा रहा है यहा तक कि अबकी बार रक्षाबंधन त्यौहार भी फीका रहा। अधिकारी कृषि विभाग के कर्मचारियो को अकेला ना समझे। यह राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश का मुख्य घटक है। ई खसरा पड़ताल मुल रुप से राजस्व व आपदा विभाग अन्तर्गत लेखपाल का मुख्य कार्य है। यह कार्य लेखपाल से ही कराया जाए अन्यथा कि दशा मे राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश इकाई शामली के समस्त घटक दल विरोधाभास प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन की की होगी। इस अवसर पर संघठन मंत्री संजीव कुमार,अजय तोमर, कृष्णावतार, सुमित लाठियान, विशु कुमार, सोनु कुमार, प्रवीन चहल, नीरज कुमार, भावना, प्रज्ञा चौधरी, सोनु कुमार, प्रदीप, पोरष कुमार, शिवकुमार सिरोहा, विजयवीर चौहान, अल्ताफ अली, ब्रिजेश कुमार, श्यामलाल, नीतिश कुमार, जितेंद्र कुमार, अनिल परमार आदि मौजूद रहे।

संभल में हाईवे पर दबंगई,10 किमी पीछा कर मजदूरों को बेरहमी से पीटा, एक की मौत

संभल। बदायूं-मेरठ हाईवे पर मंगलवार रात दबंगई दिखाई गई। बबराला में मंगलवार रात लेंटर डालने की मजदूरी लेने गए मजदूरों पर दबंगों ने पहले घर पर ही हमला किया। बमुश्किल मजदूर ट्रैक्टर से भागे। रास्ते में उन्होंने डायल 112 की मदद ली। पुलिस उन्हें थाने ले आई। पुलिस ने एक हजार रुपये खर्चे के नाम पर लेकर उन्हें गांव नगला अजमेरी के पास तक छोड़ दिया। इसी बीच दबंगों ने 10 किलोमीटर दूर आकर बाइक ट्रैक्टर के आगे लगाकर रोक लिया और पत्थरबाजी करने के बाद उन्हें लाठी-डंडे से पीटा, जिसमें मजदूर योगेश ऊर्फ दुर्गेश की मृत्यु हो गई और चार घायल हैं। योगेश की मौत की जानकारी मिलने पर उसकी दादी आनारो देवी ने सदमे में दम तोड़ दिया। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देने के साथ पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

बाढ़ प्रबंधन और प्रशासनिक तैयारियों का सीएम ने किया निरीक्षण, बोलीं- चिंता की बात नहीं, हम आपके साथ

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सुबह कुछ समय के लिए यमुना का जलस्तर 206 मीटर को छूने की संभावना थी, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। यह इलाका यमुना के फ्लड प्लेन का लो-लाइन क्षेत्र है

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बाढ़ के खतरे के बीच सीएम रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के यमुना बाजार क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ प्रबंधन और प्रशासनिक तैयारियों का निरीक्षण किया। साथ ही सीएम रेखा गुप्ता ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सुबह कुछ समय के लिए यमुना का जलस्तर 206 मीटर को छूने की संभावना थी, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। यह इलाका यमुना के फ्लड प्लेन का लो-लाइन क्षेत्र है इसलिए पानी यहां तक पहुंचा। दिल्ली में बाढ़ जैसी कोई भी स्थिति नहीं है। यह जलस्तर का अधिकतम चढ़ाव था और अब पानी उतरने की दिशा में है। सीएम ने कहा कि कंट्रोल रूम से लगातार हालात की निगरानी की जा रही है। राहत और बचाव दल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हैं जिससे हर स्थिति से निपटा जा सके। सीएम ने आगे कहा की मैं दिल्लीवासियों को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है। आपकी सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर 205.79सुबह आठ बजे तक यमुना का वाटर लेवल 205.79 था। वहीं हथनी कुंड बैराज से 38361 क्यूसेक, वजीराबाद बैराज से 68230 क्यूसेक और ओखला बैराज 91212 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। दिल्ली पुलिस और डीडीएमए की राहत बचाव टीमों ने यमुना के किनारे की झुग्गियों में सर्च ऑपरेशन चलाया। प्रशासन ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र से सभी को बाहर निकाला। पूर्वी दिल्ली में गीता कॉलोनी के पास बंध रोड पर बने केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे यमुना के जलस्तर की निगरानी हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि वे बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दिल्ली बोट क्लब में करीब 24 नौकाएं, गोताखोर, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की टीमें आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। राहत बचाव के लिए प्रशासन मुस्तैद मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, उनकी सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। इसके लिए राहत और बचाव कार्यों के लिए 14 अहम जगहों पर नावों की तैनाती की गई है। साथ ही यमुना का पानी मुख्य सड़कों तक न पहुंचे और ट्रैफिक प्रभावित न हो, इसके लिए सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए है। साथ ही सभी रेगुलेटर्स को पूरी तरह चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। 15 वायरलेस स्टेशन स्थापित हैं जो यमुना के जलस्तर, जलभराव की निगरानी कर रहे हैं।

झमाझम बारिश से फिर सुहाना हुआ मौसम, गर्मी और उमस से लोगों को मिली राहत

नई दिल्ली। राजधानी और एनसीआर में मौसम पल-पल करवट ले रहा है। कभी धूप निकल रही है, तो कभी काले बादलों के साथ झमाझम बारिश होने लगती है। नोएडा शहर में झमाझम बारिश हो रही है। बारिश से गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली है। नोएडा के सेक्टर 31, 39, 51, 125, 126 समेत कई स्थानों पर झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक 20 और 21 अगस्त को भी दिल्ली एनसीआर में आंधी और बारिश की संभावना है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 और 24 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। 22 अगस्त को आसमान में बादल छाए रह सकते हैं जिसके बाद झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 और 23 डिग्री रह सकता है। इसके बाद 23 और 24 अगस्त को बारिश और तूफान के आसार है।

दिल्ली में दूध कारोबारी से 2.15 लाख रुपये की ठगी, आरोपियों ने ऐसे फंसाया था जाल में

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में एक दूध कारोबारी को लोन देने का झांसा देकर ठगों ने 2.15 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को कारोबार के लिए रुपयों की जरूरत थी। वहीं, पीड़ित वसीम की शिकायत पर उत्तर पूर्वी जिले के साइबर थाने ने प्राथमिकी की है। पुलिस उन बैंक खातों की पड़ताल कर रही है, जिसमें रकम ट्रांसफर की गई है। वसीम अपने परिवार के साथ इंदिरा विहार में रहते हैं। वह गाजियाबाद के विजय नगर में डेरी का काम करते हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपने कारोबारी के लिए रुपयों की जरूरत थी। उनके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद का नाम प्रकाश बताते हुए कहा कि वह एक फाइनेंस कंपनी का प्रतिनिधि है। आरोप है कि उसने पीड़ित से पूछा कि क्या उसे लोन की जरूरत है। पीड़ित ने कहा उसे सख्त जरूरत है। पीड़ित उसके झांसे में आ गया और अपना आधार कार्ड व पैन कार्ड उसे वॉट्सएप कर दिया। लोन की फीस के नाम पर उसने पीड़ित से 2.15 लाख रुपये ठग लिए। जब रकम उसे नहीं मिली तो पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। 17 अगस्त को पुलिस ने केस दर्ज किया।

दिल्ली शोरूम अग्निकांड: संदीप का छूटा हाथ, पायल का छूट गया जिंदगी का साथ, खौफनाक था मंजर

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में राजा गार्डन स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम अग्निकांड में जान गंवाने वालों की संख्या चार से घटकर तीन हो सकती थी, अगर हादसे में एकमात्र बचे संदीप से पायल का हाथ नहीं छूटता। संदीप ने बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन पायल का हाथ उनसे छूट गया और पायल वहीं रह गई और दम घुटने से मौत हो गई। हादसे में मारी गईं अमनदीप कौर के पारिवारिक मित्र सुनील सिंगला बताते हैं कि हादसे में घायल संदीप से उनकी बात हुई है। उन्हें पता चला कि दोपहर करीब ढाई बजे शोरूम में काम करने वाली तीनों युवतियां पायल, आयुषी, अमनदीप और रवि व संदीप दूसरी मंजिल के गोदाम में खाना खाने पहुंचे। सभी खाना खा रहे थे कि अचानक उनकी नजर सीढ़ी से ऊपर आते काले-गाढ़े धुएं पर पड़ी। धुआं सीढ़ियों के रास्ते ही ऊपर पहुंच रहा था। बताया कि गोदाम में आने-जाने के लिए एकमात्र रास्ता यही सीढ़ी थी। सभी ने चिल्लाना शुरू कर दिया। संदीप ने उनसे कहा कि वे घबराएं नहीं। इसके बाद संदीप रास्ता ढूंढने पीछे की ओर भागे ताकि सभी को यहां से बाहर निकाला जा सके। लेकिन पीछे कोई रास्ता नहीं था। इसके बाद संदीप वापस आए तो देखा कि उनके चारों सहकर्मी बेसुध हैं। केवल पायल को थोड़ा होश था। संदीप ने पायल का हाथ पकड़ा और उसे घसीटते हुए सीढ़ी की ओर भागे। सीढ़ी पर पहुंचते ही पायल का हाथ उनसे छूट गया और वह खुद धुएं के बीच लुढ़कते हुए नीचे पहुंच गए। इसके बाद संदीप को होश नहीं रहा। बाद में बचाव दल पहुंचा तो उनको संदीप भूतल पर अचेत हालत में मिले। अमनदीप की मौत से टूटा परिवार अमनदीप की मौत से उनका परिवार गहरे सदमे में है। दो बहन व एक भाई में अमनदीप मंझली संतान थी। इनके पिता का कारोबार है। अमनदीप की मौत से इनके पिता गहरे सदमे में हैं। सुनील बताते हैं कि अमनदीप दूसरों की मदद करने वाली लड़की थी। काफी मेहनती भी थी। सुनील बताते हैं कि अमनदीप अपने माता-पिता के साथ रघुबीर नगर में रहती थी। यह संयोग की बात है कि राजा गार्डन से उन्हें डीडीयू के बजाय रघुबीर नगर अस्पताल ही ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया।

आवारा कुत्तों को पकड़ने गई एमसीडी की टीम पर हमला, हमलावर पशुप्रेमियों पर होगी कड़ी कार्रवाई, एफआईआर दर्ज

बाहरी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में आवारा कुत्तों को पकड़ने गई एमसीडी की टीम पर पशुप्रेमियों के हमले को लेकर एक एफआईआर दर्ज की गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने इस मामले में प्रमुखता से संज्ञान लेते हुए मंगलवार को रोहिणी पुलिस उपायुक्त कार्यालय पहुंचे थे। वहां जाकर उन्होंने पुलिस अधिकारियों से दोषियों पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस संबंध में रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने रोहिणी एमसीडी जोन के वेटनरी डॉक्टर की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। अपना विरोध जताया इंटरनेट मीडिया पर एक एमसीडी के कर्मचारियों पर हमले की वीडियो काफी वायरल हो रही है। सोमवार को हुए इस हमले पर संज्ञान लेते हुए विजय गोयल मंगलवार को पुलिस अफसरों से मिलने पहुंचे। उन्होंने रोहिणी सेक्टर-16 स्थित सर्वोदय विद्यालय के पास एमसीडी की वैन को नुकसान पहुंचाने और आवारा कुत्तों को हटाने वाले अधिकारियों को धमकाने के मामले में अपना विरोध जताया। उन्होंने शिकायत के बाद पुलिस से मांग की कि जल्द से जल्द इनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाए। इस बीच रोहिणी पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन को गोयल ने लिखित शिकायत सौंपी। साथ में एक पेन ड्राइव भी दिया, जिसमें वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी है। इसके बाद रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने रोहिणी एमसीडी जोन के वेटनरी डॉक्टर की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि सोमवार 18 अगस्त को पशुप्रेमियों ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों पर हमला कर दिया, जो दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के 11 अगस्त के स्वतः संज्ञान मामले में दिए गए आदेशों के बाद आवारा कुत्तों को पकड़ने गए थे। इसी बीच दिल्ली के रोहिणी इलाके में एमसीडी अधिकारियों पर हमला कर दिया गया था।

भाजपा सरकार के कुप्रबंधन के चलते पानी की किल्लत से जूझ रहे दिल्लीवाले', आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर दिल्ली में पानी की कमी की समस्या दूर करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मानसून में भी दिल्ली में लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। कालकाजी, बदरपुर और साउथ-सेंट्रल दिल्ली समेत दिल्ली के कई इलाकों में नलों में पानी सूख चुका है। दिल्ली की सड़कों पर पानी भरा है, लेकिन नलों में पानी नहीं है। यही भाजपा सरकार की बदइंतजामी का सच है। जब मानसून में यह हाल है तो गर्मियों में क्या होगा? चार इंजन की सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हुई है। आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखी चिट्ठी में कहा कि मैं आपका ध्यान दिल्ली के कई हिस्सों में निवासियों द्वारा झेली जा रही गंभीर जल संकट की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। दिल्ली के कई घनी आबादी वाले कालकाजी, बादरपुर, ओखला, दक्षिण और मध्य दिल्ली के कई हिस्से में अज्ञात कारणों से लोग भीषण जल संकट का सामना कर रहे हैं। आतिशी ने मानसून में सड़को पर जलभराव और पानी की किल्लत पर ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि चौंकाने वाली बात है कि इस समय अभूतपूर्व मानसून के बावजूद दिल्ली पानी की किल्लत झेल रही है। भारी वर्षा होने के बावजूद, दिल्ली के लोग प्रतिदिन पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एक ओर पूरी दिल्ली पानी में डूबी हुई है और दूसरी ओर राष्ट्रीय राजधानी के नलों में पानी सूख गया है। आतिशी भाजपा सरकार और जल बोर्ड की तैयारी और कार्यक्षमता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति भाजपा-शासित सरकार और दिल्ली जल बोर्ड की तैयारी और कार्यक्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। यदि भारी वर्षा के मौसम में भी यह स्थिति है, तो आने वाली गर्मियों में दिल्ली का क्या होगा? आपकी सरकार को दिल्ली जल बोर्ड का कार्यभार संभाले लगभग छह महीने हो चुके हैं। अब आपकी सरकार बहानेबाजी और दोषारोपण नहीं कर सकती। आतिशी ने मुख्यमंत्री से कहा है कि रविवार को आप प्रधानमंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ थीं। फिर यह कैसे संभव है

दिल्ली एचसी ने दी बीएफआई को 21 अगस्त को चुनाव की अनुमति, कहा- खेल अब राजनीति बन गया

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) को 21 अगस्त को अपने चुनाव कराने की अनुमति देते हुए टिप्पणी की कि खेल अब खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीति है। हालांकि, न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने कहा कि चुनाव के परिणाम याचिका के निर्णय पर निर्भर करेगा। साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि मामले की सुनवाई किश्तों के बजाय अदालत मामले की अंतिम सुनवाई करेगी। अदालत ने खेल संहिता के किसी भी उल्लंघन पर हस्तक्षेप करने की चेतावनी देते हुए कहा कि संविधान खेल संहिता और नियमों के विरुद्ध नहीं हो सकता। पीठ ने यह भी कहा कि अदालत नए संविधान को कोई स्वीकृति नहीं दे रही है। मामले में आगे की सुनवाई 23 सितंबर को होगी। नए संविधान की वैधता को चुनौती दी अदालत ने उक्त टिप्पणी व आदेश हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ, मध्य प्रदेश एमेच्योर मुक्केबाजी संघ और गुजरात मुक्केबाजी संघ की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की। विभिन्न संघों ने बीएफआई की अंतरिम समिति द्वारा चुनाव कराने के फैसले और नए संविधान की वैधता को चुनौती दी है। चार राज्य संघों ने बीएफआइ के चुनावों के संचालन के संबंध में अधिकारियों की कार्रवाई को रद करने के लिए अदालत के हस्तक्षेप की मांग की है। एकतरफा नियुक्ति का आरोप याचिकाकताओं ने 18 मई को एक नए संविधान की अवैध घोषणा, 31 जुलाई को अधिकार क्षेत्र से बाहर चुनाव नोटिस जारी करने और रिटर्निंग ऑफिसर की एकतरफा नियुक्ति का आरोप लगाया। बीएफआई के पिछले पदाधिकारियों का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था और चुनाव शुरू में 28 मार्च के लिए निर्धारित थे, लेकिन कई अपीलों और प्रति-अपीलों सहित कानूनी विवादों के कारण प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी। चुनाव के लिए रिटर्निंग आफिसर बनाए गए दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आरके गौबा ने भी अपने खिलाफ बदनाम करने के अभियान का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

कहीं खून से लथपथ मिली लाश तो कहीं इस हालत में पड़ा था शव, राजधानी में फैली सनसनी

बाहरी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के दो अलग-अलग इलाकों में दो युवकों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पहला मामला अशोक विहार थाना क्षेत्र के वजीरपुर औद्योगिग क्षेत्र में सड़क पर खून से लथपथ एक युवक का शव मिला है। शरीर पर कई गहरे जख्मों के निशान भी मिले हैं, तेज धारदार हथियार से हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई। पुलिस हत्या और सड़क हादसा दोनों ही पहलू से जांच कर रही है। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक युवक का मिला शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। युवक की हत्या की आशंका जताई जा रही है। युवक नरेला में ही एक फैक्ट्री में काम करता था। सोमवार देर रात फैक्ट्री से वेतन लेकर भोरगढ़ स्थित अपने घर के लिए निकला था। वहीं, आज (मंगलवार) सुबह सड़क किनारे उसका शव मिला।

अब दिल्ली के इस इलाके में जमकर गरजा बुलडोजर, नोटिस भी किए गए चस्पा; मचा हड़कंप

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन की टीम ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को सुंदर नगर में अवैध रूप से चल रही मुर्गा मंडी पर कार्रवाई की। यहां 30 दुकानों के थड़े तोड़े गए। 20 तखत और चिकन रखने वाले 25 फ्रिज नष्ट किए गए। काफी सामान जब्त भी किया गया। इस दौरान जिनके यहां कार्रवाई हुई, उन्होंने विरोध करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस बल के रहते वह उसमें सफल नहीं हो पाए। यहां पर अवैध रूप से मुर्गों को काटा जाता था। खून और अपशिष्ट से क्षेत्र में गंदगी रहती थी। निगम अधिकारियों ने बताया कि सुंदर नगरी में अवैध रूप से मुर्गा काटे जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। संवेदनशील स्थान होने के कारण यहां पर पुलिस बल की व्यवस्था की गई। तब निगम के पशु चिकित्सा विभाग, अनुरक्षण विभाग, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि अब इस जगह निगरानी रखी जाएगी, जिससे दोबारा काम शुरू न हो सके। 50 वाहनों पर चस्पा किए चेतावनी नोटिस, 25 का चालान काटा गौतमपुरी वार्ड मे डीडीए की जमीन पर शास्त्री पार्क पुलिस स्टेशन व उस्मानपुर पुलिस स्टेशन के पास अवैध पार्किंग को हटाया गया। यहां से चार वाहन जब्त किए गए। 25 वाहनों का पुलिस के जरिये चालान कराया गया। वहीं, झिलमिल वार्ड से अतिक्रमण हटाया गया। यहां सड़क पर खड़े 50 से अधिक वाहनों पर चेतावनी नोटिस चस्पा किए गए और दो वाहनों को जब्त किया गया।

घर में सिवेट बिल्लियों के घुसने से फैली दहशत, पूरे इलाके में मचा हड़कंप

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-2 में सोमवार एक घर में अचानक दो एशियाई पाम सिवेट बिल्लियों के दिखाई देने से परिवार दहशत में आ गया। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत वाइल्डलाइफ एसओएस दिल्ली हेल्पलाइन नंबर पर दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने दोनों को पकड़कर वापस जंगल में छोड़ दिया। वाइल्डलाइफ एसओएस ने बताया कि ये सिवेट मां और बच्चा था। टीम ने दोनों की चिकित्सकीय जांच करवाई। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद दोनों पूरी तरह स्वस्थ पाए गए। वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक एवं सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने कहा कि आवासीय क्षेत्रों के विस्तार और वनों की कटाई के कारण जंगली जीव मानव बस्तियों में आ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि इन जीवों को सुरक्षित बचाकर उनके प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि एशियाई पाम सिवेट निशाचर स्तनधारी हैं जो कीटों की आबादी को नियंत्रित करके और बीजों के फैलाव में सहायता करके एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका निभाते हैं। ये हानिरहित और बेहद शर्मीले होते हैं, मगर भोजन की कमी उन्हें शहरों की ओर ले आती है। सत्यनारायण ने अपील की कि ऐसे हालात में लोग खुद इन जानवरों को पकड़ने की बजाए तुरंत हेल्पलाइन पर सूचना दें।

दिल्ली में नया शिक्षा कानून लागू, पैरेंट्स और स्कूलों के लिए क्या है इसका मतलब? जानिए बिल की 7 खास बातें

नई दिल्ली: दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 को मंजूरी मिल गई है, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। जिसके बाद सरकार ने इसे अधिसूचित कर दिया है। यह कानून आज से दिल्ली में लागू हो गया है। दिल्ली विधानसभा में आठ अगस्त को यह विधेयक पारित किया गया था। इस कानून ने स्कूलों में एक सुदृढ़, पारदर्शी और सहभागी शुल्क विनियमन प्रणाली स्थापित की है। यह विधेयक अभिभावक, शिक्षक, प्रबंधकों और सरकार के प्रतिनिधित्व वाली स्कूल स्तरीय फीस नियंत्रित समितियों को अनिवार्य बनाता है। अब किसी भी प्रकार की फीस बढ़ोतरी के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक है। यह विधेयक बहु:स्तरीय शिकायत निवारण प्रदान करेगा और विवादित शुल्क के लिए छात्रों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाएगा। स्वीकृत की गई निर्धारित फीस तीन वर्षों तक यथावत रहेगी, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ का असर कम होगा। शिक्षा कानून की मुख्य बातें मनमानी फीस नहीं चलेगी: अब कोई भी स्कूल तय की गई फीस से ज्यादा धनराशि नहीं वसूल सकेगा हर स्कूल में फीस समिति: इसमें प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक, महिलाएं और वंचित वर्ग के लोग शामिल होंगे, ताकि फीस तय करने में सबकी भागीदारी हो जिले में शिकायत निवारण समिति- फीस से जुड़ी शिकायतें और विवाद वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में बनी समिति तुरंत सुलझाएगी उच्चस्तरीय पुनरीक्षण समिति- जिला स्तर के फैसलों पर अपील की जांच करेगी, ताकि कोई भी पक्षपात न हो। फीस की पूरी जानकारी सार्वजनिक- स्वीकृत फीस का ब्योरा नोटिस बोर्ड, वेबसाइट और हिंदी, अंग्रेजी व स्कूल की भाषा में खुले रूप में प्रदर्शित होगा तीन साल तक फीस में स्थिरता- एक बार तय हुई फीस तीन शैक्षणिक वर्षों तक यथावत रहेगी, बार-बार बढ़ोतरी नहीं होगी उल्लंघन पर सख्त जुमार्ना- ज्यादा या अवैध फीस लेने वाले स्कूलों पर भारी आर्थिक दंड लगाया जाएगा दिल्ली के परिवारों पर प्रभाव प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमाने व अनियमित शुल्क वृद्धि पर रोक। अभिभावकों को स्कूल शुल्क निर्धारण में सशक्त भूमिका। विद्यार्थियों को शोषण से सुरक्षा और शिक्षा को सबकी पहुंच में रखता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस दृष्टिकोण के अनुरूप व्यवस्था, जिसका उद्देश्य शिक्षा में मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाना है।

10 साल बिल नहीं भरने से कटी थी कांग्रेस कार्यालय की बिजली, नया अध्यक्ष मिलने पर भरा 1 लाख 90 हजार का बिल

अंबाला : अंबाला शहर कांग्रेस को हाल ही में नया अध्यक्ष मिला है। जिसके बाद कांग्रेस भवन को 10 साल बाद नया बिजली मीटर भी मिल गया है। पिछले 10 साल से कांग्रेस भवन का बिजली का बिल न भरने की वजह से कनेक्शन कटा हुआ था लेकिन नए अध्यक्ष ने सबसे पहले बिजली का पेंडिंग पड़ा 1 लाख 90 हजार का बिल भरा, जिसके बाद एक बार फिर से कांग्रेस भवन जगमग हो सकेगा। बिजली का मीटर तो कांग्रेस भवन पर लग गया है लेकिन खस्ताहाल हो रही कांग्रेस भवन की इमारत अभी भी मुंह चिढा रही है कि क्या उसके भी दिन बदलेंगे। कांग्रेस भवन की इमारत कई जगहों से टूट रही है क्योंकि बिल्डिंग की तरफ पिछले लंबे समय से कोई ध्यान नही दिया गया। अंबाला शहर कांग्रेस के नए अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बताया सभी के सहयोग से बिजली बिल भर नया कनेक्शन मिल गया है। अब सभी के सहयोग से कांग्रेस भवन की इमारत को भी ठीक किया जाएगा।

मनीषा की मौत के मामले में आईजी का बड़ा बयान, बताई घटना की पूरी सच्चाई

भिवानी : भिवानी जिला के सिंघानी गांव में महिला टीचर मनीषा का शव पाए जाने के बाद इसको लेकर प्रदेश भर में प्रदर्शन हुए तथा महिला टीचर की हत्या होने का अंदेशा रहा। परन्तु मैडिकल रिपोर्ट में तथ्य अलग नजर आ रहे है। यह बात रोहतक रेंज के आईजी वाई पूर्ण कुमार ने भिवानी में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। हालांकि उन्होंने माना कि इस मामले की अभी जांच चल रही है। किसी को भी इस मामले में अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। जबकि पूछताछ जरूर विभिन्न लोगों से की जा रही है। महिला अध्यापिका मनीषा 11 अगस्त से घर से स्कूल के लिए गई थी। 13 अगस्त को उसका शव सिंघानी गांव में खेतों में पाया गया। रोहतक रेंज के आईजी वाई पूर्ण कुमार ने बताया कि मृतक मनीषा के शव का दो बार पोस्टमार्टम किया गया है। एक बार भिवानी में, दूसरी बार रोहतक पीजीआई में किया गया। इनके नतीजे कल शाम 18 अगस्त को आग चुके है। इन नतीजों के आने के बाद स्पेशल मैडिकल बोर्ड बनाकर मृत्यु के कारणों को समझने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि मृतक मनीषा के शरीर पर मैडिकल रिपोर्ट के अनुसार शरीर पर कोई स्ट्रगल के निशान नहीं है। साथ ही उनके प्राईवेट पार्ट में कोई सीमेन नहीं पाया गया। ऐसे में बलात्कार जैसी घटना मैडिकल रिपोर्ट के अनुसार नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि मृतिका के पेट में एक कीटनाशक की उपस्थिति पाई गई है। प्रारंभिक तौर पर इस मामले में जोर-जबरदस्ती जैसी बात सिद्ध नहीं की।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए आईजी वाई पूर्ण कुमार ने बताया कि कुछ सोशल मीडिया रिपोर्टस में यह दावा किया गया कि मृतक मनीषा के शरीर से कुछ अंग गायब है।

उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि जब पहली बार पोस्टमार्टम किया गया तो उस दौरान शरीर के कुछ अंगों को मैडिकल जांच के लिए निकालकर विसरा के रूप में जांच के लिए भेजा गया था। ऐसे में इसको लेकर कोई भ्रम की स्थिति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मृतक के चेहरे पर एसिड डालने जैसी रिपोर्ट भी मैडिकल के अनुसार सही नहीं पाई गई है।सुसाईट नोट को लेकर आईजी वाई पूर्ण कुमार का कहना है कि सुसाईट नोट पहले दिन से ही पुलिस के पास था। उसकी राईटिंग भी परिजनों ने उसी समय पहचान ली थी। सुसाईट नोट को पांच दिन बाद लाईम लाईट में आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जांच के पहले दिन से ही महत्वपूर्ण तथ्यों को डिस्कलोज नहीं किया जाता। हालांकि अब यह सुसाईट नोट लाईम लाईट में आ चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मृतिका के परिजनों व समाज के अन्य लोगों को इस रिपोर्ट के बारे में पुलिस व डॉक्टरों द्वारा ब्रीफिंग कर दी गई है। अब परिवार के सदस्य आपस में इस मुद्दे को लेकर चर्चा कर रहे है। जिसके बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को अपनाया जाएगा। ग्रामीणों द्वारा सीबीआई जांच की मांग पर उन्होंने कहा कि यह एक प्रशासनिक मुद्दा है। इस पर वे कुछ नहीं कह सकते।

गौरतलब है कि ग्रामीणों द्वारा अब भी मृतक मनीषा के गांव ढ़ाणी लक्ष्मण में धरना देकर अंतिम संस्कार से मना किए जाने को लेकर पुलिस कानून व्यवस्था पर ध्यान रख रही है। भिवानी व चरखी दादरी जिलों में प्रशासन द्वारा इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई है। ताकि कोई अफवाह ना फैल पाए। ग्रामीणों की मांग है कि इस मामले की सीबीआई जांच करवाई जाए।

हरियाणा के इस जिले में मिले 11 डेंगू के और 3 मलेरिया के 3 एक्टिव केस, मचा हड़कंप

यमुनानगर : यमुनानगर में लगातार हो रही बारिश के बाद जगह-जगह पानी जमा हो गया है। यही पानी अब मच्छरों के प्रजनन का कारण बन रहा है। डिप्टी सीएमओ डॉ सुशीला सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में फिलहाल डेंगू के 11 और मलेरिया के 3 एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अब तक 6500 सैंपल जांचे हैं तो वही 6074 घरों में मच्छरों का लारवा मिला है। इस पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने नोटिस भी थमाए हैं। डिप्टी सीएमओ डॉक्टर सुशील सैनी ने कहा कि अगर घर में कही पानी खड़ा है तो मच्छर जनित बीमारियों से बचने के लिए हफ्ते में

एक बार सफाई अवश्य करें। कहीं पर भी पानी खड़ा है तो उसको हटा दें। इसके साथ-साथ पूरे बाजू के कपड़े पहने व मच्छरदानी का उपयोग अवश्य करें। सीएमओ डॉक्टर सुशील सैनी ने कहा कि डेंगू बीमारी के लिए अलग से एक वार्ड भी सिविल अस्पताल में बनाया गया है। बरसात थमने के बाद नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़े स्तर पर फॉगिंग अभियान चलाया जाएगा। डॉ सुशीला सैनी ने बताया कि हमने स्लम एरिया और उन जगहों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया है जहां पानी की निकासी नहीं है। उन्होंने यह भी अपील कि है कि अपने घर के आसपास पानी न जमा होने दें और सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें ताकि डेंगू जैसे घातक बीमारी से बचा जा सके।

'हम मनीषा के परिवार के साथ हैं, कोई दबाव सहन नहीं किया जाएगा', टीचर हत्याकांड पर बोले दिग्विजय चौटाला

भिवानी : भिवानी का मनीषा हत्याकांड का मामला उलझता ही जा रहा है। इस मामले में दिग्विजय चौटाला ने कहा कि हम सब मनीषा के परिवार के साथ खड़े हैं।

शासन-प्रशासन द्वारा दबाव सहन नहीं किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि इंटरनेट सेवाएं बंद करना गलत है। वहीं अब पिता संजय का सोशल मीडिया पर नया वीडियो आया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि मैंने दबाव में आकर बयान दिया था। मेरी बेटी कभी आत्महत्या नहीं कर सकती। मुझे इस बात का विश्वास नहीं है। मेरी बेटी को प्रशासन से गुहार है कि न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कमेटी व कमेटी ने मुझ पर दबाव डाला है।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत, गले पर मिले गहरे घाव, फर्श पर पड़ा था शव

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला की गला कटने से मौत का मामला सामने आया है। महिला का गला लकड़ी काटने वाले इलेक्ट्रॉनिक कटर से काटा गया है। हादसे के वक्त महिला घर पर अकेली थी। बताया जा रहा है कि डिप्रेशन के चलते महिला ने खुद का गला काटकर आत्महत्या की है। मामला बहादुरगढ़ के सेक्टर 9 का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई। जानकारी के अनुसार बहादुरगढ़ के सेक्टर 9 में स्थित मकान में राजीव अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। राजीव एयर इंडिया में सीनियर एसोसिएट के पद पर कार्यरत है। उसके घर में रिनोवेशन का काम चल रहा है।

मॉड्यूलर किचन बनाने के लिए उसने घर पर लकड़ी के कारीगर लगा रखे हैं। सुबह के समय वह जूस लेने के लिए बाजार गया था। जब वह वापस लौटा तो घर के अंदर से इलेक्ट्रॉनिक ग्राइंडर चलने की आवाज आ रही थी लेकिन उसकी पत्नी दरवाजा नहीं खोल रही थी। तब उसने जाली का दरवाजा तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया तो हैरान रह गया।राजीव ने फर्श पर उसकी पत्नी रजनी का शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा हुआ था। रजनी के गले पर लकड़ी काटने वाले इलेक्ट्रॉनिक कटर से काटने का निशान था। राजीव अपनी पत्नी को तुरंत शहर के ब्रह्म शक्ति संजीवनी अस्पताल लेकर गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामला सुसाइड का लग रहा है- डीसीपी डीसीपी मयंक मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टि से मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त घर में रजनी के अलावा कोई नहीं था। रजनी का पिछले 2 साल से डिप्रेशन का इलाज भी चल रहा था। वहीं रजनी के परिजनों ने भी हत्या की आशंका जाहिर नहीं की है, इसलिए पुलिस ने फिलहाल मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बहादुरगढ़ के सामान्य अस्पताल भिजवाया है। जहां डॉक्टरों के बोर्ड के द्वारा उसका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरियाणा के इन 2 जिलों में इंटरनेट को बंद, इस वजह से लिया गया ये फैसला

भिवानी : हरियाणा से बड़ी खबर सामने आ रही है। हरियाणा के दो जिलों में भिवानी और दादरी जिले में 2 दिन के लिए इंटरनेट को बंद करने के आदेश जारी हो गए है। माना जा रहा है कि मनीषा केस में इंटरनेट सेवा बंद करने के आदेश जारी किये गए हैं। मनीषा हत्याकांड में को लेकर इंटरनेट बंद करने का फैसला लिया है। हरियाणा सरकार के गृह विभाग के फैसले के अनुसार, भिवानी एवं चरखी दादरी में तनाव, अशांति, उपद्रव, सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने तथा जन शांति व कानून व्यवस्था को भंग करने की आशंका है और ऐसे में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, एसएमएस सेवाओं तथा अन्य डोंगल सेवाओं के दुरुपयोग द्वारा भड़काऊ सामग्री एवं झूठी अफवाहें फैलाकर सार्वजनिक सुविधाओं में बाधा डालने, सार्वजनिक संपत्तियों एवं संसाधनों को नुकसान पहुंचाने और जन-शांति एवं कानून व्यवस्था को बाधित करने की संभावना है।

अंबाला में फर्जी नशा मुक्ति केंद्र में पुलिस ने की रेड, अंदर जाकर देखा तो उड़े होश

अंबाला : अंबाला के साहा खण्ड के गांव लंगर छलनी गांव में बड़े स्तर पर चल रहे फर्जी नशा मुक्ति केंद्र का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस की टीम ने नशा मुक्ति केंद्र पर रेड की तो वहां से 23 युवकों को पकड़ कर उन्हें अंबाला कैंट के नागरिक हॉस्पिटल में पहुंचा

उनका मेडिकल करवाया गया। पुलिस की मानें तो नशा मुक्ति केंद्र के पास कोई भी दस्तावेज सेंटर चलाने का नहीं था। सेंटर चला रहे 10 से 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सेंटर के संचालक पंजाब के रहने वाले हैं। जिनकी जांच की जा रही है। इस मामले में आगे की कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग करेगा। अंबाला में फर्जी नशा मुक्ति केंद्र मिलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई फर्जी नशा मुक्ति केंद्र यहां पकड़े जा चुके हैं। उसके बावजूद प्रशासन ने कोई सख्ती नहीं की। जिसके चलते यह अवैध धंधा यहां आसानी से फल फूल रहा है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग का कहना है इस मामले को डीसी अंबाला के समक्ष रखा जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनीपत में हिमाचल की बस का एक्सिडेंट, 10 लोग घायल... कांगड़ा से दिल्ली जा रही थी बस

सोनीपत : हरियाणा के सोनीपत के नेशनल हाईवे-44 पर बहालगढ़ फ्लाईओवर के पास हादसा हो गया। यहां हिमाचल की बस हादसे का शिकार हो गई। सवारियों से भरी बस में 10 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह हादसा बस और ट्रक में हुआ। हिमाचल बस रोडवेज पालमपुर से दिल्ली जा रही थी। आगे चल रहे ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाई। हाईवे पर अचानक ट्रैक के ब्रेक लगाने के कारण बस अनियंत्रित होकर ट्रक से टकराई। जिससे बस चालक और परिचालक घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सोनीपत नागरिक अस्पताल लाया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद एक यात्री को रोहतक पीजीआई रैफर किया गया है। सोनीपत पुलिस हादसे की जांच में जुटी हुई है।

पुराने वाहनों की पहचान को लेकर सरकार उठाने जा रही ये कदम, ऐसे होगी ऑटोमेटिक जांच

चंडीगढ़ : दिल्ली की तर्ज पर अब हरियाणा में भी 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पैट्रोल वाहनों की पहचान करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए सरकार ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकगनेशन कैमरा (ए.एन. पी. आर.) खरीदने जा रही है। परिवहन विभाग ने कैमरों की खरीद प्रक्रिया को पूरा करने के लिए फाइल मुख्यमंत्री ऑफिस में भेजी है। सी.एम. की मंजूरी मिलने के बाद ही परिवहन विभाग ए.एन.पी. आर. कैमरों की खरीद के लिए टैंडर प्रक्रिया शुरू करेगा।

परिवहन विभाग के सूत्रों ने बताया कि अभी ये कैमरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 4 जिलों के पैट्रोल पंपों पर लगाए जाएंगे। जहां इन कैमरों की मदद से वाहन कितना पुराना है ये पता लगाया जाएगा। इसके बाद ही उन्हें पैट्रोल, डीजल या सी.एन.जी. दिया जाएगा। हालांकि इस मामले में गत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने पुराने वाहन मालिकों को राहत देते हुए कहा है कि अचानक से वाहनों को इस तरह डंप नहीं किया जा सकता है। अभी इस मामले में अंतिम निर्णय आना बाकी है।

दरअसल एन.जी. टी. ने गत 7 अप्रैल 2015 को निर्देश दिया था कि पुराने वाहनों को एन.सी.आर. में चलने की अनुमति नहीं दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी 29 अक्तूबर 2018 के अपने आदेश में कहा था कि ऐसे एंड ऑफ लाइफ (ई.ओ.एल.) वाहन एन.सी.आर. में नहीं चलेंगे। इसके बाद ये प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चलती आ रही है। अब सरकार ने फिर से एक बार तेजी से इस ओर काम करना शुरू कर दिया है। दिल्ली में 1 जुलाई से पैट्रोल पंपों पर

ए.एन.पी. आर. कैमरे लगाए जा चुके हैं। हरियाणा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 4 जिलों में ए.एन.पी.आर. कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर और सोनीपत शामिल हैं। इन चारों जिलों में 679 पेट्रोल पंप हैं। जहां इन कैमरों को इंस्टॉल किया जाएगा। हालांकि परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पहले फेज में चार जिलों को शामिल किया गया है, उसके बाद दूसरे और तीसरे चरण में एन. सी. आर. में आने वाले अन्य सभी जिलों में शुरू किया जाएगा।

ऐसे काम करता है ए.एन.पी.आर. कैमरा

.एन.पी. आर. एक विशेष प्रकार के कैमरे होते हैं, जो वाहनों की नंबर प्लेटों को ऑटोमैटिक रूप से पहचानने और पढ़ने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कैमरे ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन तकनीक का उपयोग करके नंबर प्लेट की छवियों को डिजिटल टैक्स्ट में बदलते हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही को ट्रैक करने, यातायात प्रबंधन, कानून प्रवर्तन और अन्य उद्देश्यों के लिए जानकारी एकत्र की जा सकती है।

हरियाणा सरकार का कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला, वेतन को लेकर सीएम सैनी का बड़ा ऐलान

चंडीगढ़: जुलाई 2023 में 42 दिन की हड़ताल पर रहे लिपिकों को प्रदेश सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब इस हड़ताल अवधि को उपार्जित अवकाश (लीव आफ दी काइंड ड्यू) माना जाएगा।

हड़ताल अवधि का न तो वेतन काटा जाएगा और न ही इस अवधि को सेवा में बाधा (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार भी है, ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। हड़ताल पर जाने से पूर्व अर्जित अथवा संचित ह्यअर्जित अवकाश को सर्वप्रथम समायोजित किया जाएगा।इसके पश्चात हाफ पे लीव जाएगा। अर्जित अवकाश और हाफ पे लीव की कटौती के बाद भी यदि हड़ताल अवधि शेष रहती है तो अग्रिम अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाएगा, जिसे संबंधित लिपिकों के भविष्य में अर्जित होने वाले अवकाश खाते से समायोजित किया जाएगा। क्लर्क एसोसिएशन ने मूल वेतन 35 हजार 400 रुपये करने की मांग को लेकर यह हड़ताल की थी। इसमें 15 हजार से अधिक लिपिक शामिल हुए थे। तब प्रदेश सरकार ने नो वर्क-नो पे का फामूर्ला लागू करते हुए हड़ताली कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश जारी कर दिए थे। मुख्य सचिव द्वारा जारी नए आदेश में कहा गया है कि यह छूट केवल एक बार की विशेष व्यवस्था के तौर दी जा रही है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर नहीं लिया जाएगा। यह निर्देश केवल कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों, खास तौर पर लिपिकों पर लागू होंगे, जिन्होंने उस विशेष हड़ताल में भाग लिया था। यह निर्देश अन्य किसी भी मामले में लागू नहीं होंगे। तदनुसार, विभागों में कार्यरत एसएएस कादर से सत्यापन के उपरांत वेतन जारी किया जा सकता है। इस संबंध में सभी प्रशासकीय सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, एसडीएम और खजाना अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

हरियाणा के 19 गांवों की चमकेगी किस्मत, आमजन को मिलेगी बड़ी राहत...सीएम सैनी ने दिए निर्देश

हरियाणाः हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने जिला पंचकूला के पाहड़ी क्षेत्र मोरनी व कालका में लोगों को सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 19 गांवों के लगभग 61 किलोमीटर कच्चे रास्तों को पक्का कर पेवर ब्लॉक की सड़कें बनाने के निर्देश दिए। इन सड़कों की चौड़ाई 12 फुट होगी। उट ने बीते दिन सोमवार को लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों को लेकर समीक्षा

बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वन विभाग से एनओसी लेकर शीघ्र इन गांवों में सड़कों के निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। हरियाणा स्थानीय व्यंजन उन्होंने कहा कि मोरनी व कालका के पहाड़ी क्षेत्र के इन गांवों में सड़क बनने से वहां के निवासियों को आवाजाही के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और इन इलाकों में विकास के नए मार्ग प्रशस्त होगी। यहां रहने वाले निवासियों को कच्ची सड़कों से होने वाली समस्याओं से जल्द निजात मिलेगी। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में नई सड़कों के निर्माण और मुरम्मत में गुणवता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवता से किसी भी प्रकार का समझौता कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि तय समय सीमा में विकास कार्यों को पूरा करवाया जाए। यदि कोई कार्य को पूरा करने में देरी करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला पंचकूला के थापली बधिशेर से कोटी 1.68 किलोमीटर, पिंजौर मल्लाह से मंगनीवाला 1.20 किलोमीटर और गोबिंदपुर से थाथर 5.35 किलोमीटर सड़क की वन विभाग से एनओसी लेकर इन सड़कों का निर्माण कार्य भी अतिशीघ्र शुरू किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने पानीपत से सफीदों 41 किलोमीटर, सफीदों से जींद 21.65 किलोमीटर और जिला अम्बाला में साहा चौक से पंचकूला-यमुनानगर फोरलेन तक व साहा चौक से कालपी तक तथा टोहाना रतिया सड़क के सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण करने के कार्य को जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिए।

'मेरी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती, कमेटी ने मुझ पर डाला दबाव', मनीषा के पिता का गंभीर आरोप

भिवानी : भिवानी का मनीषा मौत मामला उलझता ही जा रहा है। पहले यह मामला हत्या का लग रहा था और अब ये आत्महत्या का लग रहा है। सोमवार देर रात को कमेटी ने फैसला लेकर शव लेकर अंतिम संस्कार का फैसला लिया था। वहीं अब पिता संजय का सोशल मीडिया पर नया वीडियो आया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि मैंने दबाव में आकर बयान दिया था। मेरी बेटी कभी आत्महत्या नहीं कर सकती। मुझे इस बात का विश्वास नहीं है। मेरी बेटी को प्रशासन से गुहार है कि न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कमेटी व कमेटी ने मुझ पर दबाव डाला है।अब मनीषा के आज होने वाले अंतिम संस्कार में पेंच फंस गया है। सोमवार देर रात प्रशासन से हुई मीटिंग के बाद परिवार के राजी होने की बात सामने

आई थी। भिवानी में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। अब भिवानी-चरखी दादरी में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। बता दें कि मनीषा मौते के मामले में जो रोहतक पीजीआई में डॉक्टर के बोर्ड द्वारा जो पोस्टमार्टम किया गया था। उसकी रिपोर्ट सोमवार रात को आ गई। जिसमें खुलासा हुआ है कि उसके शरीर में जहर मिला है। लेकिन दुष्कर्म की कोई भी पुष्टि नहीं हुई है। जहां तक चेहरे पर तेजाब डालने वाली बातें तो वह भी पुष्टि नहीं हो पाई है।

यही नहीं गला रेत कर हत्या करना भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने नहीं आया है। अब तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि जहर मनीषा ने खुद खाया है या खिलाया गया है। गौरतलाब है कि मनीषा की मौत के मामले में पूरे हरियाणा में प्रदर्शन किए जा रहे थे कि मनीषा को न्याय मिलना चाहिए। इसके लिए भिवानी में लोगों ने धरना भी दे रखा था।11 अगस्त को लापता हुई मनीषा का शव 13 तारीख को 2 दिन बाद खेतों में मिला था। जिसे प्रारंभिक जांच में सब यही मान रहे थे कि मनीषा की बेरहमी से हत्या की गई है।

हरियाणा में शिक्षकों के कब शुरू होंगे ऑनलाइन ट्रांसफर, शिक्षा मंत्री ने दी बड़ी अपडेट

जींद : शिक्षा मंत्री जींद की चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बहु-विषयक शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला में पहुंचे थे। इस कार्यशाला म विभिन्न यूनिवर्सिटियों के वी.सी. एवं कई शिक्षाविदों ने शिरकत कर अहम विषय पर चर्चा की। जींद पहुंचे शिक्षा

मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही टीचरों के ऑनलाइन ट्रांसफर शुरू होंगे। उन्होंने कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की लिस्ट पर तंज कसते हुए कहा कि यह लिस्ट हुड्डा-सैलजा-रणदीप ग्रुप की लिस्ट बनकर रह गई है। केंद्र में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि चोर एक तो चोरी करे और ऊपर से सीनाजोरी करने वाली बात करे। उलटा वोट चोरी तो उन्होंने ही की थी, तभी तो 50 से 90 सीट जीत गए। हमारी सरकार तो वोट चोरी पर अंकुश लगाने का कार्य कर रही है। हम तो वोटर लिस्ट को रिवाइज करवा रहे हैं, इसमें उनको परेशानी क्यों हो रही है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित, शुभमन होंगे उपकप्तान

रिंकू, सैमसन और हार्दिक टीम में शामिल, यशस्वी व श्रेयस को नहीं मिली जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति ने इस टूर्नामेंट के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाये रखा हैं। वहीं शुभमन गिल की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है जबकि श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में फिनिशर के तौर पर रिंकू सिंह को अवसर मिला है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को टीम में जगह मिली है।

यूएई के हालातों को देखते हुए स्पिनर खासे सफल रहते हैं। ऐसे स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल के अलावा कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया है। तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी जबकि अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा उनका साथ देंगे। 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया गया है। सैमसन के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को टीम में जगह दी गयी है।

एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। जिसमें कुल 8 टीमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ओमान शामिल होगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से होगा। जिसके बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम परंपरागत प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से खेलेगी जबकि 19 सितंबर को ओमान से मुकाबला होगा।

एशिया कप के लिए भारत का स्कॉड

सूर्य कुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

कार्लोस अल्कराज ने पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (एजेंसी)। सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया।

विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही।

अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी।

सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते।

मैच के बाद सिनर ने कहा, 'मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं।'

विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, 'मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो। यही असली चैंपियन करते हैं।'

हमें अगली सीरीज के लिए बुमराह के बारे में सोचने की जरूरत नहीं, पूर्व फिजियो का बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर बहस थमने का नाम नही ले रही है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में दो टेस्ट मैच में उनकी अनुपस्थिति की आलोचना की गई। कई लोगो ने बुमराह को अपने शरीर की बात सुनकर आराम देने के लिए सराहना की, वही कुछ ने अतिरिक्त प्रयास न करने के लिए उनकी आलोचना की।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए टीम इंडिया के पूर्व फिजियो जॉन ग्लोस्टर का मानना है कि बुमराह एक एथलीट की तरह जानते है कि उन्हें क्या करना है। ग्लोस्टर ने कहा, 'देखिए, मुझे पता है कि यह इस समय बहुत विवादास्पद विषय है और मैं ज्यादातर विवादास्पद विषयो पर खुशी खुशी बात करूंगा। मुझे लगता है कि आखिरकार एथलीट खुद को किसी से भी बेहतर जानता है।'

ग्लोस्टर ने आगे कहा, 'आजकल ज्यादातर एथलीट जिनके पास अच्छी स्पोर्ट्स टीमे है वे उन्ही लोगो से सलाह ले रहे है। लेकिन सहज रूप से ज्यादातर एथलीट जानते है कि क्या सही है और क्या गलत। और वह एक परिपक्व एथलीट है। वह एक चतुर व्यक्ति है जो अच्छी तरह जानते है कि वह क्या कर रहे है।'

ग्लोस्टर ने कहा कि वह नही चाहते कि बुमराह हर सीरीज खेले। उनका

मानना है कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ की चोट के बाद 31 वर्षीय बुमराह ने शानदार वापसी की है। इस पर ग्लोस्टर ने कहा, 'और मुझे लगता है कि दस में से नौ बार परिपक्व एथलीट जिन्हें अच्छा समर्थन मिलता है, वे सही फैसले लेते है। और हमें अगली सीरीज या उसके बाद की सीरीज के लिए बुमराह के बारे में नही सोचना है। हमें अगले दो से तीन सालो तक बुमराह के बारे में सोचना होगा।'

'वह जानते है कि उनका करियर, उनके करियर की लंबाई, उनका खेल जीवन, सही सलाह और परामर्श से ही तय होगा। यह ऐसा ही होगा। और वह जानते है कि ऐसे हालात भी आएंगे जब उनको अपने लिए फैसले लेने होंगे ताकि उनका करियर सबसे अच्छा और लंबा हो।'

हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एकदिवसीय विश्वकप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है।नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति ने महिला विश्व कप के लिए टीम चयन किया। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर टीम को दी गयी है जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तानी संभालेंगी। टीम में फिटनेस हासिल कर चुकी रेणुका सिंहकी वापसी हुई है जबकि शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही श्री चरणी को टीम में जगह मिली है।

विश्वकप कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। फाइनल

मुकाबला दो नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे जिसमें बंगलूरू का एम चिन्नास्वामी, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होल्कर स्टेडियम, विशाखापत्तनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम शामिल है।

विश्वकप के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप : कपिल बैंसला ने लहराया तिरंगा, भारत को दिलाया गोल्ड

श्यामकेंट (कजाकिस्तान)। कजाकिस्तान के श्यामकेंट में जारी 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में कपिल बैंसला ने भारत का परचम लहराया है। हरियाणा के इस शूटर ने सोमवार को भारत के लिए पहला गोल्ड जीता। कपिल बैंसला ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेंस जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, 0.6 अंक से पिछड़ने के बाद उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव दूसरे पायदान पर रहे। कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथनी ने 220.7 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उज्बेकिस्तान के इल्खोम्बेक ने फाइनल में सबसे तेज शुरुआत की। कपिल उनका पीछा करते नजर आए। 15वें शॉट के बाद पहली बार कपिल ने इल्खोम्बेक को पीछाड़ा, लेकिन 20वें शॉट के बाद इल्खोम्बेक ने फिर बढ़त बना ली। आखिरी दो शॉट्स से पहले वह कपिल से एक अंक आगे थे। इसके बाद कपिल ने 10.8 और 10.6 का शानदार स्कोर किया, जबकि इल्खोम्बेक 23वें शॉट पर 10.4 और आखिरी शॉट पर 9.4 अंक हासिल कर सके। इल्खोम्बेक की इसी गलती का फायदा उठाते हुए कपिल ने खिताब अपने नाम कर लिया। इस फाइनल में तीन भारतीय शूटर पहुंचे थे। कपिल ने क्वालिफिकेशन में 579 प्वाइंट्स के साथ चौथा स्थान हासिल किया था, जबकि जोनाथन 582 प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इनके अलावा मुकेश नेलावली तीसरे पायदान पर थे। क्वालिफिकेशन में कोरियन खिलाड़ी किम डूयोन ने 582 प्वाइंट्स हासिल करते शीर्ष स्थान हासिल किया था।

शायद ही कभी भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे धोनी : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी शायद ही कभी कोच बने। चोपड़ा के अनुसार उन्हें नहीं लगता कि धोनी को कोचिंग में रुचि है। आकाश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि धोनी अभी कोचिंग देना चाहेंगे क्योंकि कोचिंग एक फुल टाइम नौकरी है जिसमें आप फिर से वैसे ही व्यस्त हो जाते हैं जैसे आप अपने क्रिकेट करियर में थे। कई बार तो जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाती हैं। वहीं आकाश ने यह भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी कोचिंग से क्यों दूरी बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर अपना पूरा जीवन सफर में, होटल में और मैदान पर ही बिता देता है। ऐसे में संन्यास के बाद वे थोड़ा स्थिर जीवन जीना चाहते हैं। खिलाड़ी सोचते हैं कि जब पूरी जिंदगी सूटकेस के साथ बिताई है तो अब क्यों दोबारा उसी जिंदगी में लौटें। इसी कारण अधिकतर खिलाड़ी केवल जैसी सीमित अवधि की लीग में ही कोचिंग करना पसंद करते हैं जहां काम कुछ महीनों का होता है। जबकि भारतीय टीम का कोच बनने पर पूरे साल भर लगभग 10 महीने टीम के साथ यात्रा करनी होती है, जिससें पूरा समय निकल जाता है। ऐसे में अब धोनी फिर से कोचिंग जैसे व्यस्त कार्यक्रम को अपनाना नहीं चाहेंगे। वे अभी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ हैं और आने वाले समय में आईपीएल से भी संन्यास ले सकते हैं। धोनी अब एक अलग जीवन जी रहे हैं जिसमें खेती, बिजनेस और परिवार के साथ समय बिताना शामिल है। ऐसे में भारतीय टीम के कोच की जिम्मेदारी उठाना शायद उनकी प्राथमिकताओं नहीं होगा। धोनी हालांकि 2021 के टी20 विश्वकप में क्रिकेट बोर्ड के अनुरोध पर भारतीय टीम के मेंटॉर बने थे।

ब्रेट ली ने जडेजा की जमकर प्रशंसा की, सबसे फिट क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा की है। ऑस्ट्रेलिाई ऑलराउंडर ने जडेजा को विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक बताया है। ली ने जडेजा के बारे में कहा, 'उन्होंने भारत की ओर से पहले ही 85 टेस्ट मैच खेले हैं, और मुझे भरोसा है कि वह 100 के आंकड़े को पार करेंगे। मेरा मानना है जो कोई भी अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलता है, वह मेरी राय में महान खिलाड़ी है। जडेजा भी अपनी अच्छी बल्लेबाजी, गेंदआजी और फिल्डिंग के कारण एक पूर्ण सुपरस्टार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह 100 के आंकड़े को पार कर जाएंगे।' ब्रेट ली ने आगे कहा, 'उनके पास एक बेहतरीन क्रिकेटर के लिए जरुरी सभी चीजें हैं। उनकी तकनीक सरल है। वह दौड़ते हैं और सटीक गेंदबाजी करते हैं. जब जरूरत होती है, वह सही लाइन और लंबाई में गेंदबाजी करते हैं। वह जल्दी से अपने ओवर पूरे करते हैं। वह 36 साल की उम्र में भी सबसे फिट हैं।' इस क्रिकेटर ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भले ही अच्छी गेंदबाजी न की हो पर उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाजी से टीम की सहायता की। इस क्रिकेटर ने पांच मैचों की सीरीज में 516 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। वह भारतीय टीम के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में भारतीय टीम के लिए कई शानदार पारियां खेली हैं। मैनचेस्टर टेस्ट में उनकी नाबाद पारी के कारण ही भारतीय टीम हार से बची थी।

साउथ अफ्रीका की पहले वनडे में धामकेदार जीत, ऑस्ट्रेलिया को 98 रनों से मिली

केर्न्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार को लगभग जीता हुआ मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाने 297 के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए, सिर्फ 7 ओवर में ही 60 रन ठेक दिए थे। लेकिन इसके बाद 29 न के भीतर ही ऑस्ट्रेलिया ने एक के बाद एक 6 विकेट गंवा दिए और वो 98रनों से मैच हार गई।

बता दें कि, तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे खेला गया। वहीं टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी की। इस दौरान साउथ अफ्रीका के ओपनर एडन मार्करम और रायन रिकल्टन ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

मार्करम और रिकल्टन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। रिकल्टन इसके बाद 33 रन बनाकर

आउट हुए। मार्करम ने शानदार अर्धशतक जड़ा। मार्करम ने 9 चौकों की मदद से 81 गेंदों में 82 रन बनाए। इसके बाद कप्तान टेंबा बावुमा और मैथ्यू ब्रीत्जके ने भी अर्धशतक जड़ा।

ब्रीत्जके ने 56 गेंदों ने 7 चौकों और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए। वहीं कप्तान बावुमा ने 5 चौकों की मदद से 74 गेंदों में 65 रन बनाए। जिसकी बदौलत साउथ अफ्रीका ने 50 ओवरो में 8 विकेट खोकर 296 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा चार विकेट लिए।

297 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श ने 60 रन जोड़े। जिसके बाद लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया ये मैच आसान से जीत सकती है। क्योंकि उसके पास मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिश और एलेक्स कैरी जैसे खतरनाक बल्लेबाज बचे हुए थे।

लेकिन साउथ अफ्रीका के लेफ्ट ऑर्म स्पिनर केशव महाराज ने मैच का रुख ही पलट दिया। पहला विकेट हेड का 60 के स्कोर पर गिरा। हेड को प्रेनेलन सुब्रायन ने आउट किया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोए। सभी विकेट केशव महाराज ने लिए। महाराज ने लाबुशेन, ग्रीन, इंग्लिश, कैरी और आरोन हार्डी का विकेट चटकाकर पंजा खोला। एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना किसी विकेट के 60 रन था। वो अब 6 विकेट पर 89 रन हो गया। इसके बाद ही ऑस्ट्रेलिया ने मैच गंवा दिया। वो 198 रन ही ऑलआउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ये मैच 98 रनों से हार गया।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

केर्न्स। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। रबाडा जैसे गेंदबाज का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा के दाहिने टखने में सूजन है और स्कैन जांच में उनकी चोट गंभीर होना पाया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, अब रबाडा ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में चोट से उबरकर फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे। रबाडा के बाहर होने के बाद उनकी जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में शामिल किय गया है। मफाका ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट लिए थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। वह पहले एकदिवसीय में शामिल नहीं रहेंगे। मफाका ने अब तक 2 एकदिवसीय मैचों में 5 विकेट लिए हैं। वहीं रबाडा के बाहर होन से मेहमान अफ्रीकी टीम को नुकसान होगा क्योंकि रबाडा एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी अपनी टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका थी। 106 एकदिवसीय में इस गेंदबाज ने अबतक 168 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में अब उसका लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर लय हासिल करना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य विश्व कप जीतना रहेगा : हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी एलिसा हीली ने माना है कि उनकी टीम का लक्ष्य रिकॉर्ड आठवीं बार विश्व कप जीतना रहेगा। हीली हालांकि जानती हैं कि ये आसान नहीं होगा क्योंकि उनकी टीम को भारतीय उपमहाद्वीप में अलग हालातों के साथ ही स्पिनरों से भी जूझना होगा। महिला विश्व कप का आयोजन अगले महीने भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है। वहीं हीली का कहना है कि उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने खिताब को बरकारार रखना चाहेगी। हीली ने हाल ही में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन मैचों की सीरीज के अंतिम मैच में नाबाद 137 रन की आक्रामक पारी खेली भी जिससे भी उनका मनोबल विश्वकप के लिए बढ़ा हुआ है। वह हालांकि ऑस्ट्रेलिया ए को जीत नहीं दिला पायी पर जिस प्रकार से हीली ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये उससे उनके हौंसले बुलंद हैं। हीली ने सीरीज के दूसरे मैच में भी अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंनें अनुभवी स्पिनरों का काफी आत्मविश्वास के साथ सामना किया था। हीली ने कहा, ''भारत ए की इस की टीम में काफी स्पिनर हैं। हमें इस सीरीज का लाभ विश्व कप में मिलेगा क्योंकि तब भी वहां काफी स्पिनर रहेंगे।''

स्वियाटेक ने पाओलिनी को हराकर पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (संयुक्त राज्य अमेरिका)। पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने सोमवार को जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 6-4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। इस खिताबी जीत से अमेरिकी ओपन से पहले स्वियाटेक ने अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को एक शक्तिशाली संदेश भेजा है। छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक ने खिताब तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया और फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सभी छह ब्रेक पॉइंट्स को भुनाकर अपना 11वां डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता और पिछले साल के इटैलियन ओपन के बाद यह उनका पहला खिताब था। वह अब डब्ल्यूटीए 1000 फ़ॉर्मेट के इतिहास में दूसरी सर्वकालिक विजेता हैं। वह केवल सेरेना विलियम्स (23) से पीछे हैं। खिताबी जीत के बाद स्वियाटेक ने कहा, मैं अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसे टूर्नामेंट क्यों जीते, जो पिछले टूर्नामेंटों जैसे थे, जहां मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगी। मुझे एक बेहतर खिलाड़ी बनने और इन तेज सतहों पर खेलना सीखने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। मैं हैरान और बेहद खुश हूं। मैच में पाओलिनी ने शानदार शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली।

एशिया कप 2025: क्रिकेट फैंस हुए हैरान, बाहर हुए 3 बड़े धुरंधर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन 15 खिलाड़ियों के नामों का खुलासा किया, जो यूएई में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। लेकिन इस टीम में कुछ बड़े नामों की गैरमौजूदगी ने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया है। खासतौर पर श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और मोहम्मद सिराज को टीम में जगह नहीं मिली।

श्रेयस अय्यर का बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रेयस अय्यर का नाम लेकर कहा कि उनका टीम में न चुना जाना न उनकी गलती है, न सेलेक्टर्स की। उन्होंने साफ किया कि श्रेयस की टीम में जगह न बनने के पीछे कोई विवाद या असमंजस नहीं है। हालांकि, यह निर्णय फैंस के लिए एक बड़ा आश्चर्य रहा क्योंकि अय्यर का आईपीएल और चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन अच्छा रहा था। अंतरराष्ट्रीय टी20 में श्रेयस ने 51 मैचों में 1104 रन बनाए हैं, जिनमें 8 अर्धशतक शामिल हैं।

यशस्वी जायसवाल भी स्कॉड से बाहर

टीम में शामिल न होने वाले दूसरे बड़े नाम यशस्वी जायसवाल का है। विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर पहचाने जाने वाले जायसवाल ने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 164.31 की स्ट्राइक रेट से 723 रन बनाए हैं। बावजूद इसके सिलेक्टर्स ने उन्हें इस बार टीम में जगह नहीं दी।

मोहम्मद सिराज का भी चयन नहीं

इंग्लैंड दौरे पर अपनी घातक गेंदबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले मोहम्मद सिराज को भी एशिया कप टीम में शामिल नहीं किया गया है। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन इस बार टी20 टीम में उन्हें मौका नहीं मिला। सिराज के चयन से वंचित रहने पर सोशल मीडिया पर फैंस ने सवाल उठाए हैं। सिराज ने अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर में 16 मैचों में 14 विकेट हासिल किए हैं।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

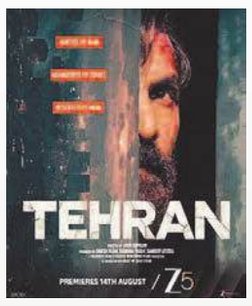

अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है। मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हों, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

बिपाशा पर मृणाल ठाकुर की टिप्पणी को लेकर उर्फी ने दी प्रतिक्रिया

मृणाल ठाकुर अपने एक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। मृणाल इस वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री बिपाशा बसु की बॉडी पर तंज कसती दिखी हैं। वे खुद को बिपाशा से ज्यादा खूबसूरत बता रही हैं और कहती हैं कि बिपाशा के मैनली मसल्स हैं। इस पर बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए मृणाल को जवाब दिया। मृणाल ठाकुर इस पर सफाई देकर माफी मांग चुकी हैं। अब उर्फी जावेद ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है।

उर्फी ने लिखा, हम सभी ने ऐसी बातें कही हैं मृणाल ठाकुर ने इस वायरल वीडियो में जो कुछ कहा, उसने तूल पकड़ लिया है। बिपाशा के फैंस मृणाल को ट्रोल कर रहे हैं। उनकी समझ पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद ने मृणाल ठाकुर का बचाव किया है। उर्फी ने आज शुक्रवार को मृणाल का वह पुराना वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है और इसके साथ लिखा है, हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं। विचारधाराओं में बदलाव होता है उर्फी ने लिखा है, जब हम युवा होते हैं तो हमें कुछ भी बेहतर नहीं पता होता, हम हर दिन सीखते और बढ़ते हैं। हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं, जिनसे अब हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि हम विकसित होते हैं, बदलते हैं, हमारे नैतिक मूल्य भी बदलते हैं। विचारधाराओं में भी बदलाव होता है। मैंने पिछले इंटरव्यू में भी कुछ ऐसी बातें कही हैं, जो मुझे पसंद नहीं हैं।

मृणाल ने मांगी थी माफी

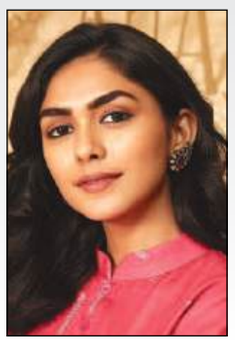

बता दें कि मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर इस टिप्पणी पर सफाई दी थी कि उन्होंने इरादतन कोई बात नहीं कही थी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 19 साल की उम्र में मैंने टीनएज में कई ऐसी बेवकूफी भरी बेतुकी बातें कही थीं। मुझे यह समझ नहीं थी कि आवाज में कितनी ताकत होती है या महज मजाक में भी कहे गए शब्द कितना दुख पहुंचा सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ और इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है। मेरा इरादा कभी किसी को बॉडी शेम करने का नहीं था। यह एक इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कही गई बात थी। यह मजाक हद से ज्यादा बढ़ गया। काश मैंने अपने शब्द अलग तरह से चुने होते। समय के साथ, मैं समझने लगी हूं कि सुंदरता हर रूप में होती है और अब मैं इसी को सच में महत्व देती हूं।

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी इस निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी। सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्ले तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है।

मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आईं मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

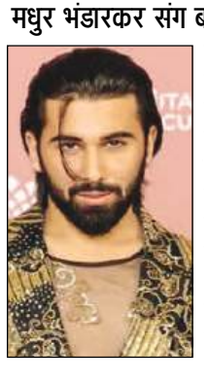

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आईं। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

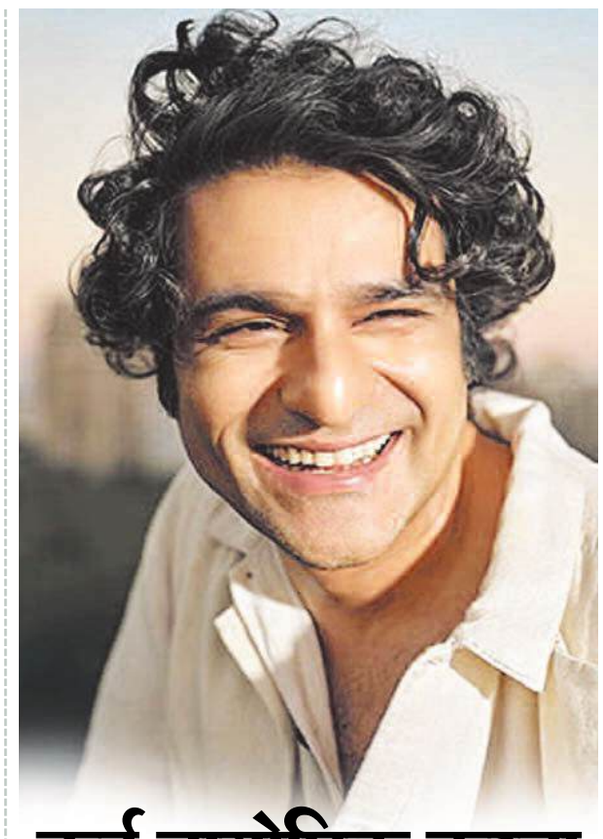

कई बायोपिक करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

पॉपुलर वेब सीरीज एस्पिरेंट्स का संदीप भैया का किरदार आज भी ऑडियंस के दिलों में एक खास जगह बनाए हुए है। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता सनी हिंदुजा अब एक नए रोल में नजर आएंगे। वो वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट के किरदार में दिखेंगे।

एक्टर हमेशा भूखा रहता है...

बातचीत में सनी हिंदुजा ने कहा, एक्टर होता है तो भूखा होता है, मतलब हमेशा अच्छे रोल्स का इंतजार करता रहता है। मैं भी उसी कड़ी में हूं। अच्छे राइटर्स, अच्छे मेकर्स और अच्छे प्लेटफॉर्म्स के लिए इंतजार करना पड़ता है।

लोगों का प्यार गहरा होता है, भले नाम न जानें

एक्टर ने आगे कहा कि ट्रोलर्स के जो चुटकुले बनते हैं, उन्हें देखकर लगता है कि लोगों की मोहब्बत कितनी गहरी है। भले वे मेरा नाम भी सही से न जानते हों। कोई मुझे संदीप भैया बुलाता है, कोई 'सनी' ही समझ लेता है। अब कुछ लोग मुझे पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट समझ बैठे हैं, मजाक अलग है लेकिन ये भी एक तरह का प्यार ही है।

बायोपिक्स करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

अभिनेता ने आगे कहा कि हां, ऐसा बिल्कुल नहीं है कि मैं संतुष्ट हूं। मैं चाहता हूं कि मैं बायोपिक्स करूं, अलग-अलग किरदार निभाऊं, खुद को एक्सप्लोर करूं। लेकिन जो भी रोल मिले, उसमें पूरी मेहनत और लगन से काम करना चाहिए। छोटे या बड़े रोल से फर्क नहीं पड़ता, जो दिल से निभाए वही कामयाब होता है।

हर किरदार में देना चाहिए सर्वश्रेष्ठ

सनी ने यह भी बताया कि एक्टिंग में सही स्क्रिप्ट, टीम और रोल मिलना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब आपको अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है और रोल में जान डालने का मौका मिलता है, तो आपको वह काम पूरे दिल से करना होता है। चाहे वह आईएएस बनने की कोशिश कर रहा संदीप भैया हो या एक जासूस जैसा पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट, हर किरदार में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।

लोगों से मिले प्यार को खास मानते हैं सनी

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसा महसूस हुआ कि उन्हें वह रोल नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे और क्या वे अभी भी उस खास मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस पर सनी ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई ये है कि मैं आज जिस पोजीशन पर हूं, वह बहुत खास है। इतना प्यार मिलता है कि मेरा पैशन और प्रोफेशन दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। अगर ये मुझे नहीं मिला होता, तो मैं बस एक्टिंग करता रहता, लेकिन इतनी जल्दी प्यार और पहचान मिलना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है।

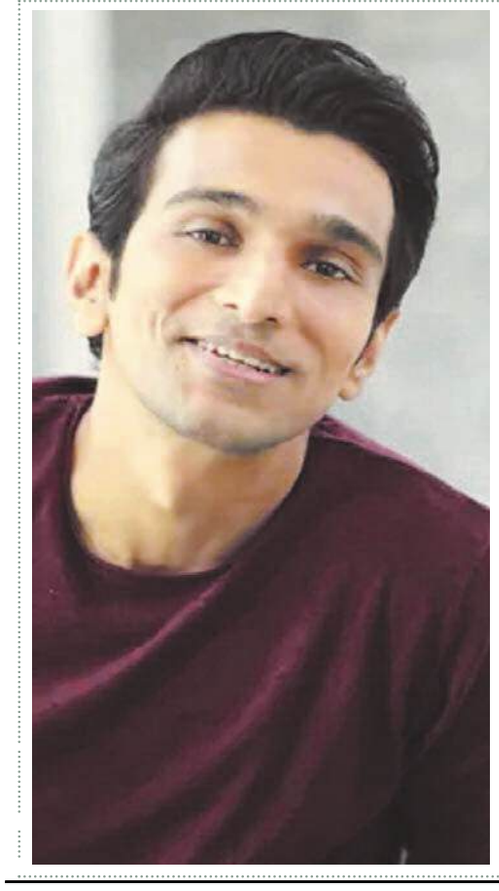

प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं।

एजेंट के रोल की तैयारी करने में आपको सबसे ज्यादा क्या खास लगा?

सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

शूटिंग के दौरान कोई ऐसी बात जो आपको चौंकाने वाली लगी हो?

हां, बहुत कुछ। जैसे डॉक्टर भाबा के प्लेन क्रैश की घटना, जो सच है। लेकिन इसके आस-पास कितनी जिंदगियों पर असर पड़ा होगा, ये सोचकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। इन एजेंट्स के अंदर जो भावनात्मक उलझन होती है, इतनी सारी जानकारी लेकर कैसे जिया जाता है? ये समझना बहुत ही दिलचस्प था। ये लोग हमारे आसपास होते हैं, सामान्य लगते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती है। उनका नाम कभी अखबारों में नहीं आता, न उन्हें कोई मेडल मिलता है। ये चुपचाप अपना काम करते हैं, इतने प्रेशर के बीच। ये मेरे लिए बेहद खास अनुभव था।

फिजिकल-मेंटल प्रिपरेशन कैसी रही?

इसमें फाइट सीन नहीं थे, क्योंकि एजेंट का काम ही ये है कि फाइट तक ना पहुंचे। मिशन फेल हो चुका होता अगर फाइट करनी पड़ी। इसलिए हमें ज्यादा साइकोलॉजिकल और मेंटल ट्रेनिंग मिली। रिएक्टिव ना होकर रिस्पॉन्सिव रहना, डायलॉग के बीच का गैप, जहां अंदर प्रोसेसिंग होती है, उसे समझना। 70 के दशक के लोगों के चलने-फिरने और बोलने के अंदाज को समझना भी बहुत जरूरी था।

आपको एजेंट की मानसिक स्थिति को समझने में क्या सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा?

ये लोग अपनी सफलता का जश्न कभी नहीं मना पाते। न उन्हें मेडल मिलते हैं, न नाम अखबार में आता है। ये लोग बहुत प्रेशर के बीच चुपचाप अपना काम करते हैं। इस बात को एक्सप्लोर करना मेरे लिए कमाल का अनुभव था।

'स्कैम 1992' के बाद क्या आपको लगा कि हमेशा एक जैसे रोल मिल रहे हैं?

नहीं, ऐसा कभी नहीं लगा। हर बार नया किरदार मिला है। लोग मुझे अलग-अलग किरदारों के लिए सोचते हैं। मुझे लगता है कि मैं अपने किरदारों में कुछ नया लेकर आता हूं। स्टीरियोटाइप से बचना मुश्किल है, लेकिन मैं कोशिश करता हूं, इस चीज से खुद को दूर रखूं।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कोई व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अच्छी फिल्में ज्यादा लोगों तक पहुंचें?

बिलकुल। इंडस्ट्री में काफी इनोवेशन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी तो है, बस उस ऑडियंस तक पहुंचने का रास्ता ढूंढना होगा। इंडस्ट्री धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ रही है, लेकिन और सुधार की जरूरत है।

आप अगले प्रोजेक्ट में महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं और आपकी सीरीज टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चुनी गई है?

यह मेरे लिए एक बहुत खास मौका है। महात्मा गांधी जैसा बड़ा किरदार निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसे निभाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ती है, क्योंकि गांधीजी की जिंदगी में कई पहलू हैं जो समझने जरूरी हैं। इस रोल को निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। साथ ही, सीरीज गांधी का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सेलेक्ट होना इस सफर की बड़ी सफलता है, जिससे मैं बहुत खुश हूं।

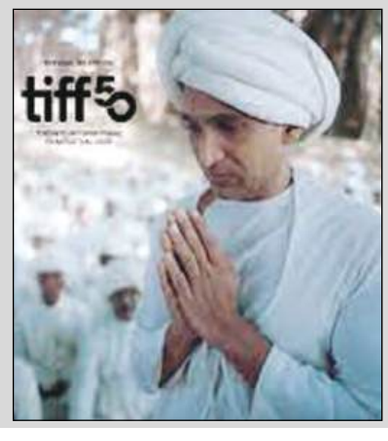

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।